



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



O
C
M
Y
B

वर्ष -12 अंक - 152

प्रयागराज, बुधवार 30 सितम्बर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

ऑपरेशन सिंदूर के डेढ़ साल बाद पाक पहुंचे भारतीय अधिकारी, एससीओ की बैठक में शामिल हुए, पीएम मोदी को न्योता दे सकता है इस्लामाबाद

इस्लामाबाद। ऑपरेशन सिंदूर के करीब डेढ़ साल बाद भारत ने एससीओ की बैठक में शामिल होने के लिए अपना एक सीनियर अधिकारी पाकिस्तान भेजा है। विदेश मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी और भारत के एससीओ को-ऑर्डिनेटर आलोक डिमरी सोमवार से इस्लामाबाद में शुरू हुई बैठक में भारतीय टीम की अगुवाई कर रहे हैं। यह बैठक बुधवार तक चलेगी। बैठक में पाकिस्तान की अध्यक्षता में होने वाले एससीओ के कार्यक्रमों, आने वाली बैठकों की तैयारियों और संगठन से जुड़े दूसरे मुद्दों पर चर्चा होगी। पाकिस्तान में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्योता दिए जाने की भी संभावना है। पाकिस्तान से द्विपक्षीय बातचीत नहीं करेगा भारत-भारत ने साफ किया है कि पाकिस्तान में एससीओ की बैठक में शामिल होने का मकसद सिर्फ संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना है। भारत

एससीओ के मंच पर पाकिस्तान के साथ सहयोग जारी रखेगा, लेकिन दोनों देशों के बीच अलग से द्विपक्षीय बातचीत नहीं होगी।



भारत का रुख रहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए आतंकवाद से मुक्त माहौल जरूरी है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले और इसके बाद मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुए सैन्य टकराव के बाद भारत ने

कहा था कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। 2024 में जयशंकर भी पाकिस्तान गए थे:- विदेश मंत्री एस.

पाकिस्तान गई थीं। पाकिस्तान ने अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए न्योता भेजा था, लेकिन भारत की ओर से जयशंकर इसमें शामिल हुए थे। सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एससीओ नेताओं के लिए डिनर रखा था। इस दौरान शरीफ और जयशंकर की मुलाकात हुई और दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया। हालांकि, उनके बीच क्या बातचीत हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई थी।

25 साल पहले हुई थी एससीओ की स्थापना-शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना 2001 में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान ने मिलकर की थी। बाद में भारत और पाकिस्तान 2017 में इससे जुड़े। 2023 में ईरान भी इसका सदस्य बना। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

पाक ने बांग्लादेश जा रहा न्यूक्लियर फ्यूल को रोका, रूसी प्लेन को एयरस्पेस नहीं दिया, बिजली संकट के बीच पावर प्लांट का ईंधन नहीं पहुंचा

ढाका/इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बिजली संकट झेल रहे बांग्लादेश के पावर प्लांट का ईंधन रोक दिया। घटना 24 सितंबर की है।

पाकिस्तान ने रूपपुर प्लांट के लिए न्यूक्लियर फ्यूल ले जा रहे रूसी विमान को एयरस्पेस नहीं दिया। इसका इस्तेमाल बिजली पैदा करने के लिए होना था। बांग्लादेश इस समय बड़े बिजली संकट से जूझ रहा है। कई शहरों में रोज 10 से 16 घंटे तक बिजली कटौती हो रही है। इस बीच पाकिस्तान के कदम से रूपपुर प्लांट में बिजली उत्पादन शुरू होने में भी देरी हो सकती है। रूस की सरकारी न्यूक्लियर कंपनी रोसाटॉम रूपपुर में न्यूक्लियर पावर प्लांट बना रही है। फ्यूल की सप्लाई भी वही कर रही है। न्यूक्लियर फ्यूल की पहली खेप को अजरबैजान, पाकिस्तान और भारत के रास्ते ढाका पहुंचना था। तैयारियां पूरी थीं, पर पाकिस्तानी एयरस्पेस इस्तेमाल करने की मंजूरी नहीं मिली। बांग्लादेश के विज्ञान और तकनीक मंत्री फकीर महबूब

अनाम ने कहा कि पाकिस्तान ने इसकी वजह नहीं बताई है। पाकिस्तान बोला- तकनीकी वजह



से एयरस्पेस नहीं दिया-द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूक्लियर फ्यूल की सप्लाई अक्टूबर से दोबारा शुरू होगी। इसके लिए रोसाटॉम ने डिलीवरी का नया रास्ता तय किया है।

कंपनी के मुताबिक, 7 कार्गो प्लाइड्स के जरिए फ्यूल बांग्लादेश पहुंचाया जाएगा। डिलीवरी में हुई

रिश्तों को पाकिस्तान काफी अहमियत देता है। बांग्लादेश में बन रहा पहला न्यूक्लियर पावर प्लांट- बांग्लादेश ने अपनी बिजली जरूरत पूरी करने के लिए रूस से 2011 में समझौता किया था। इसके तहत राजधानी ढाका से करीब 160 किलोमीटर दूर पद्मा नदी के किनारे रूपपुर न्यूक्लियर पावर प्लांट बनाने की योजना बनी। यह देश का पहला परमाणु बिजलीघर है। इसे रूस की सरकारी परमाणु एजेंसी रोसाटॉम की अगुवाई में बनाया जा रहा है। प्रोजेक्ट की लागत करीब 12.65 अरब डॉलर है। इस प्रोजेक्ट पर 2017 में काम शुरू हुआ था। ढाका/इस्लामाबाद। बांग्लादेशी अधिकारियों के मुताबिक सब कुछ ठीक रहा तो दिसंबर 2026 से बिजली उत्पादन का काम शुरू होगा।

बांग्लादेश के गांवों में 10-10 घंटे बिजली की कटौती-बांग्लादेश इस समय गंभीर बिजली संकट से गुजर रहा है। देश में बिजली की मांग और सप्लाई के बीच बड़ा अंतर हो गया है।

सबसे ताकतवर रॉकेट 'स्टारशिप' का 14वां टेस्ट कामयाब, पहली बार ऑर्बिट में पहुंचा, 26 सैटेलाइट लॉन्च किए फिर 10 घंटे के बजाय 3 घंटे में पृथ्वी पर लौटा

वॉशिंगटन। इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का सबसे ताकतवर रॉकेट 'स्टारशिप' आज

प्रशांत महासागर में उतारा गया। भारतीय समयानुसार शाम 6:16 बजे इस रॉकेट को लॉन्च किया



28 सितंबर को पहली बार पृथ्वी की कक्षा में पहुंचा। 26 सैटेलाइट भी ऑर्बिट में लॉन्च किए गए। शुरुआती योजना के तहत स्टारशिप को करीब 10 घंटे तक पृथ्वी के चक्कर लगाना था, लेकिन मिशन के दौरान किए गए रिव्यू के बाद कंट्रोलर्स ने इसे जल्दी खत्म करने का फैसला किया। इसके तहत उड़ान भरने के लगभग 2 घंटे 12 मिनट बाद रॉकेट का डीऑर्बिट बर्न पूरा किया, और मिशन शुरू होने के तीसरे घंटे के आसपास इसे

गया था। ये स्टारशिप का 14वां टेस्ट है। इससे पहले की सभी उड़ानों में रॉकेट को सब-ऑर्बिटल ट्रैजेक्टरी तक ही सीमित रखा गया था ताकि सुरक्षा बनी रहे और ज्यादा से ज्यादा डेटा जुटाया जा सके। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट (ऊपरी हिस्सा) और सुपर हैवी बुस्टर (निचला हिस्सा) को क्लेविटवली 'स्टारशिप' कहा जाता है। इस स्कीकल की ऊंचाई 403 फीट है। ऑर्बिटल और सब-ऑर्बिटल ट्रैजेक्टरी में अंतर:- सब-ऑर्बिटल

'स्टारलिक वी3' सैटेलाइट्स अंतरिक्ष में भेजे गए।

इनसे पूरी दुनिया में इंटरनेट की स्पीड और नेटवर्क काफी बेहतर हो जाएगा। इस नए मॉडल का सिर्फ एक सैटेलाइट ही नेटवर्क में 1 टैराबिट प्रति सेकंड की डेटा क्षमता जोड़ देगा, यानी इस अकेले मिशन से कुल 26 टैराबिट प्रति सेकंड की क्षमता जुड़ जाएगी, जो कि फॉकल 9 रॉकेट से भेजे जाने वाले छोटे सैटेलाइट्स के मुकाबले लगभग 10 गुना ज्यादा है।

जयशंकर बोले-हमको नसीहत देने वाला अमेरिका नकल कर रहा, यूएस आतंकवाद पर भारत की चिंताएं नहीं समझता

न्यूयॉर्क। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका से रिश्तों को लेकर कहा कि वह आतंकवाद पर भारत की चिंता नहीं समझता है। इसका असर रिश्तों पर पड़ता है। उन्होंने सोमवार को न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में कहा-जयशंकर ने चीन और अमेरिका के बीच बड़ रही दोस्ती को लेकर कहा कि अब अमेरिका एक साथ रूस, यूक्रेन और चीन जैसे देशों के साथ संबंध अच्छे कर रहा है। अब वह भारत का डिप्लोमेसी मॉडल अपना रहा है। पहले भारत की इसी नीति को लेकर अमेरिका में आलोचना की जाती थी। जयशंकर के अमेरिका में 5 बड़े बयान:- 1. टैरिफ विवाद पर: अमेरिका से रिश्ते मुश्किल-

अमेरिका के पूर्व राजनयिक डेनियल रसेल ने जयशंकर से पूछा कि व्यापार और टैरिफ को लेकर पिछले एक साल में भारत-अमेरिका के रिश्तों में आई खटास को कैसे दूर किया जा सकता है। इस पर जयशंकर ने कहा कि दुनिया के कई देशों के लिए अमेरिका के साथ रिश्ते पहले के मुकाबले मुश्किल हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह शायद हमारे लिए राहत की बात न हो, लेकिन यही हकीकत है। 2. ऋण-चीन दोस्ती पर: उनका दिखावा खत्म हो गया-जयशंकर ने कहा कि पहले अमेरिका में यह सोच थी कि भारत

के पास ज्यादा विकल्प नहीं होने चाहिए और उसे अपने रिश्तों में ज्यादा ध्यान अमेरिका पर रखना चाहिए, लेकिन अब उसका दिखावा खत्म हो गया है। उन्होंने कहा-



अब अमेरिका खुद एक साथ एशिया के दूसरे देशों के साथ रिश्ते संभाल रहा है। यानी जिस नीति पर भारत से सवाल किए जाते थे, अब अमेरिका भी उसी पर चल रहा है। 3. बहुध्रुवीय व्यवस्था पर: यह व्यूह गम हर किसी के पास-जयशंकर के मुताबिक दुनिया अब ऐसे दौर में पहुंच रही है, जहां देश किसी एक के भरोसे रहने के रिश्ते कई देशों के साथ बन रहे हैं। यही बदलाव दुनिया को बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर ले जा रहा है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब यह 'व्यूह गम' सबके पास होगा और हर देश इसे

अपने तरीके से इस्तेमाल करेगा। उन्होंने कहा कि यह बदलाव अच्छा लगे या नहीं, लेकिन जब अमेरिका जैसी बड़ी ताकत इस तरीके से काम करती है तो इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ता है और यह एक वैश्विक ट्रेंड बन जाता है। 4. चीन से सीमा विवाद पर: दूसरे देशों को फायदा न मिले-जयशंकर ने कहा कि भारत और चीन के रिश्ते पिछले कुछ समय के मुकाबले बेहतर हुए हैं। 2020 में सीमा पर तनाव के बाद दोनों देशों के रिश्ते काफी बिगड़ गए थे, लेकिन अब सीमा पर स्थिति सामान्य होने के साथ रिश्ते भी धीरे-धीरे सुधर रहे हैं। हालांकि सभी समस्याएं खत्म नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा- '2024-2025 के मुकाबले आज की स्थिति बेहतर है। सीमा पर जैसे हालात होंगे, दोनों देशों के रिश्ते भी वैसे ही रहेंगे। यह तनाव दोनों देशों के हित में नहीं है। ऐसी समस्या में फंसे रहना ठीक नहीं है, जिसका फायदा दूसरे देशों को मिले।' 5. ग्लोबल सिस्टम पर: डिप्लोमेसी पहले से ज्यादा मुश्किल-जयशंकर ने कहा कि मौजूदा समय में दुनिया में कई जगह जंग चल रही है। इसके साथ आर्थिक दबाव और व्यापार को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करने की कोशिशों ने भी दुनिया के हालात को अस्थिर कर दिया

पीओके के लोग बोले-हमें भारत का रास्ता दो, तारबंदी हटाओ-115 दिन से जारी 'आजादी आंदोलन' तेज, प्रदर्शनकारी एलओसी के पास जमा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आजादी की आवाजें तेज हो गई हैं। एलओसी (नियंत्रण रेखा) से



लगभग 7 किमी दूर मंथोल में 25 हजार लोग इसके लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि हम भारत से मिलना चाहते हैं। पाक पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर के खिलाफ नारे गूंज रहे हैं। जॉइंट अवामी लीग (जेएलए) के नेताओं ने ऐलान किया है कि पाक सरकार को पुंछ और मेंढर का रास्ता खोलना होगा। ये रास्ता भारत की ओर जाता है। पांच जून से पीओके में जारी आंदोलन के 115वें दिन सोमवार को मंथोल के इलाके में खासी गहमागहमी रही। पीओके के मुजफ्फराबाद से लोग एलओसी के पास जमा होने लगे। एलओसी

पर लोगों का हजूम रोज बढ़ रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पाकिस्तान ने बरसों तक उनके हकों को दबाया है, लेकिन

चीफ मुनीर क्या करेंगे? पाकिस्तान के लिए पीओके को कब्जे में रखना बेहद जरूरी है। आर्मी चीफ मुनीर इसके लिए गुप्तचर पीओके में अपने फौजियों को भेज रहे हैं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत पाक आर्मी अपने सैनिकों को पीओके में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ नहीं उतार सकती है। क्या पीओके खुल पाएगा? पाक आर्मी जेएलए के आंदोलन को कुचलने में विफल रही है। पीओके के हालात ऐसे हैं कि वहां के लोग अब पाक हुकूमत के जल्मों को और ज्यादा नहीं सहने वाले हैं। पीओके का खुल पाना काफी हद तक लोगों के आंदोलन की तीव्रता पर निर्भर करेगा। 1948 के कबाइली हमले के दौरान बने पीओके के दौर को बदला भी जा सकता है। पीओके सरकार क्या करेगी? पीओके में 27 जुलाई को स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद चुनाव कराए गए। पूर्व पीएम नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएलएन आर्मी के साथ सांठगांठ कर सरकार बनाने में कामयाब रही। लेकिन हालात ये हैं कि यहां की कैबिनेट के लोग आंदोलनकारियों के सामने जाने से कतरा रहे हैं। आर्मी

म्यांमार ने रखाइन राज्य में एयरस्ट्राइक की, 49 की मौत-58 घायल, विद्रोही गुट के कब्जे में है यह इलाका

नेपीदा। म्यांमार की सेना ने सोमवार को पश्चिमी रखाइन राज्य में एक बाजार के पास एयरस्ट्राइक की। इसमें कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई और 58 लोग घायल हुए हैं। यह इलाका ताकतवर विद्रोही संगठन अराकान आर्मी के कब्जे में है। हमले के वक्त बाजार में दुकानदारों और ग्राहकों की भीड़ थी। अराकान आर्मी ने हमले में लोगों के मारे जाने की जानकारी दी है-अराकान आर्मी के मुताबिक, सेना के लड़ाकू विमान ने बाजार के पास दो बम गिराए। घायलों में 22 की हालत गंभीर है। हालांकि, म्यांमार की सेना ने हमले पर कोई बयान नहीं दिया है। अराकान आर्मी ने बदले की चेतावनी दी-अराकान आर्मी ने मंगलवार तड़के जारी बयान में कहा कि वह हमले के लिए जिम्मेदार लोगों और संगठनों के खिलाफ जल्द जवाबी कार्रवाई करेगी। संगठन ने आरोप लगाया कि जानबूझकर किए गए हवाई हमलों में बड़ी संख्या में आम लोगों की जान गई है। म्यांमार की सेना ने हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, सेना पहले कहती रही है कि उसके हवाई हमलों का निशाना केवल सैन्य ठिकाने होते हैं। वह सैन्य शासन का विरोध करने वाले संगठनों पर आतंकवाद में शामिल होने का आरोप भी लगाती

रही है। 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद से संघर्ष जारी-म्यांमार में 1 फरवरी 2021 को सेना ने आंग सान सू की की चुनौती हुई सरकार को सत्ता से हटा दिया था। इसके बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। सुरक्षा बलों ने इन प्रदर्शनों को बलपूर्वक दबाया, जिसके बाद सैन्य शासन के कई विरोधियों ने हथियार उठा लिए। तब से देश के बड़े हिस्से में संघर्ष जारी है। अराकान आर्मी रखाइन के जातीय अल्पसंख्यक समुदाय को अधिक स्वायत्तता दिलाने की मांग करने वाले आंदोलन का सशस्त्र संगठन है।

इसने नवंबर 2023 में रखाइन में सैन्य अभियान शुरू किया था। इसके बाद संगठन ने राज्य के 17 में से 14 टाउनशिप और एक अहम क्षेत्रीय सैन्य मुख्यालय पर कब्जा कर लिया। सेना की पाबंदियों से खाने-पीने की चीजों की कमी-रखाइन में लड़ाई तेज होने के बाद म्यांमार की सेना ने व्यापारिक रास्तों पर कड़ी पाबंदियां लगा दी हैं। इससे इलाके में खाने-पीने की चीजों की कमी बढ़ गई है। इससे पहले दिसंबर में रखाइन के प्राकृत-यू टाउनशिप में एक अस्पताल पर हुए हवाई हमले में कम से कम 34 लोगों की मौत हुई थी और 80 लोग घायल हुए थे।

देश में 20 हजार करोड़ के ट्रैफिक चालान बकाया, सुप्रीम कोर्ट का सुझाव- बिजली बिल में जोड़कर वसूली करें, भुगतान नहीं तो कनेक्शन काटें

नयी दिल्ली। देश में ट्रैफिक ई-चालान की कमजोर वसूली पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि सिर्फ चालान जारी करना काफी नहीं, जुर्माना वसूलना भी



जरूरी है। बकाया चालान बिजली बिल में जोड़ने का तरीका निकालें। बिजली बिल नहीं चुकाया तो कनेक्शन कटेगा। कोर्ट को बताया गया कि राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों में करीब रु45 हजार करोड़ के ई-चालान हुए, इनमें रु25 हजार करोड़ वसूल गए हैं जबकि रु20 हजार करोड़ के चालान बकाया हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि बकाया चालान वाले वाहन को परिवहन पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट करने की व्यवस्था पर विचार हो। भुगतान तक आरसी नवीनीकरण, ड्रुफ़ीकेट आरसी और वाहन का मालिकाना हक ट्रान्सफर रोकना जा

सकता है। कोर्ट ने कहा- फिटनेस सर्टिफिकेट भी नहीं दिए जाएं- अमेरिका: कैलिफ़ोर्निया में बकाया कोर्ट जुर्माना बैंक खाते से वसूल जा सकता है, वेतन से कटौती हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया: पहले लाइसेंस निंबित। फिर आदेश के जरिए बैंक खाते या वेतन से रकम वसूली जा सकती है। नीदरलैंड: जुर्माना समय पर न भरने पर रकम बढ़ती है। भुगतान नहीं करने पर वाहन जब्त किया जा सकता है। यूएई: बकाया ट्रैफिक जुर्माना चुकाए बिना ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन पंजीकरण का नवीनीकरण नहीं होता है।

अमेरिका में गोल्डी बराइड पर रु10 करोड़ का इनाम, 10 मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में, लॉरेंस गैंग से जुड़ा, निज्जर की हत्या करवाने का आरोप

वॉशिंगटन। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने गैंगस्टर सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराइड को टॉप 10 मोस्ट वॉन्टेड की सूची में शामिल किया है। बराइड की जानकारी देने वाले को 10 लाख डॉलर (करीब 9.5

सरकार के मुताबिक, लॉरेंस भारतीय जेल में रहते हुए भी अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क चला रहा था। वह जेल में तस्करी से पहुंचाए गए मोबाइल फोन और इंटरनेट कॉलिंग डिवाइस के जरिए हत्या, रंगदारी,



करोड़ रुपए) तक का इनाम देने की घोषणा की गई है। बराइड को लॉरेंस ऑर्गेनाइज्ड क्राइम ग्रुप का उत्तरी अमेरिका में प्रमुख ऑपरेशनल लीडर बताया गया है। लॉरेंस और गोल्डी बराइड पर 2023 में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप है। इसी साल जुलाई में निज्जर की हत्या को लेकर अमेरिका ने पहली बार चार्जशीट दाखिल की थी। अमेरिकी

अपहरण, ड्रग्स और मानव तस्करी जैसी गतिविधियों का निर्देश देता था। जुलाई में आई अमेरिकी रिपोर्ट में गैंग को लेकर 5 दावे किए गए थे:- 1. आरोप सिर्फ अपराधियों पर, सरकार का जिम्मा नहीं-पूरे अमेरिकी आरोप पत्र और प्रेस रिलीज में भारत सरकार, रॉ, एनआईए या किसी भारतीय सरकारी अधिकारी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया। आरोप केवल

कथित आपराधिक गिरोहों और उनका सदस्यों पर है। 2. ऑपरेशन हाई बॉल के तहत 37 पर आरोप, 24 गिरफ्तार:- अमेरिका, कनाडा और यूरोप ने संयुक्त अभियान 'ऑपरेशन हाई बॉल' चलाकर भारत से जुड़े तीन अंतरराष्ट्रीय अपराध गिरोहों पर कार्रवाई की। इसमें 37 लोगों पर आरोप लगाए गए और 24 लोगों को गिरफ्तार किया गया। 3. बिश्नोई पर जेल से गैंग चलाने का आरोप:-अमेरिकी आरोपपत्र के मुताबिक, लॉरेंस बिश्नोई भारत की जेल में रहते हुए मोबाइल और इंटरनेट कॉलिंग (वीओआईपी) डिवाइस के जरिए हत्या, रंगदारी, अपहरण, ड्रग्स और मानव तस्करी जैसे अपराधों का संचालन करता था। 4. निज्जर हत्या का आदेश देने का आरोप:- अमेरिकी न्याय विभाग (वीओआईपी) डिवाइस के जरिए हत्या, रंगदारी, अपहरण, ड्रग्स और मानव तस्करी जैसे अपराधों का संचालन करता था। 5. रंगदारी और ड्रग्स तस्करी का नेटवर्क-रिपोर्ट के मुताबिक, गिरोह वॉट्सएप और अन्य एन्क्रिप्टेड ऐप के जरिए धमकी देकर रंगदारी वसूलता था। साथ ही ड्रग्स तस्करी और प्रतिद्वंद्वी गिरोहों से कोकीन लूटकर अपना नेटवर्क चलाता था।

हर बच्चे में भगत सिंह जैसी सोच और हिम्मत हो- मुकेश शर्मा

यूथ आइकन अवार्ड्स 2026 में सामाजिक कार्यकर्ताओं, खिलाड़ियों एवं युवा प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। युवा क्रांति सेना एवं गौरी शिक्षा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में शहीद-ए-आज़म

कुमारी एवं तनिष्का, साइकिलस्ट प्रदीप कुमार, रेयांश वर्मा, बालम सिंह खानी, कुणाल यादव, पर्वतारोही प्रिया कुमारी, टिया

मिलकर उनके सपने को साकार करना होगा। सेना वेड्स सलाहकार दीपक शंखधर ने कहा कि युवा क्रांति सेना और



सरदार भगत सिंह जी की 119वीं जयंती के अवसर पर 'शौर्य समर्पण कार्यक्रम' का आयोजन सेक्टर-33, नोएडा स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में किया गया। कार्यक्रम में शहीद भगत सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ समाज, खेल एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली युवा प्रतिभाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को यूथ आइकन अवार्ड्स से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौरी शिक्षा फाउंडेशन के अध्यक्ष मुकेश शर्मा, जगदुरु सतीशाचार्य जी महाराज एवं न्यायमूर्ति अनिल यादव (बनारस) ने शहीद भगत सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री मदन चौहान एवं सांसद प्रतिनिधि संजय बाली ने भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर शहीद को नमन किया। यूथ आइकन अवार्ड्स 2026 के अंतर्गत सामाजिक क्षेत्र में डॉ. महिपाल सिंह, विजेंद्र गोस्वामी, मोनू चौहान एवं सोनू राणा को सम्मानित किया गया। खेल के क्षेत्र में पैरा इंडियन आर्चर पूजा

बतरा एवं पूनम यादव को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नोएडा के विभिन्न सामाजिक संगठनों वेड्स प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर शहीद भगत सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गौरी शिक्षा फाउंडेशन के अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने बच्चों को निडर बनाओ, उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करो और उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करो। हर बच्चे में भगत सिंह जैसी सोच और हिम्मत हो। हमारे आसपास के युवाओं पर विश्वास रखो और उनके लिए कुछ करो, यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, हमारे पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो सिर्फ उसे सही अवसर देने की। हर बच्चे को आगे बढ़ना होगा और उद्योगपतियों को भी आगे आकर युवाओं के सपनों को पूरा करने में सहयोग करना होगा। चीन को पीछे छोड़कर मेडल टैली में भारत को ऊपर देखना हर युवा का सपना होना चाहिए और हम सभी को

गौरी शिक्षा फाउंडेशन जल्द ही मांग उठाएंगे कि नोएडा के सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन का नाम शहीद-ए-आज़म सरदार भगत सिंह जी के नाम पर रखा जाए। इसके साथ ही शहर की प्रमुख सड़कों का नामकरण शहीदों के नाम पर करने, विभिन्न स्थानों पर उनकी प्रतिमाएं स्थापित करने तथा स्कूलों के पाठ्यक्रम में शहीद भगत सिंह जी एवं अन्य महान क्रांतिकारियों की जीवनी और विचारों को शामिल करने की मांग भी की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान बी.एस. मेमोरियल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर शहीद भगत सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में युवा क्रांति सेना के रणपाल अवाना, दीपक शंखधर, अविनाश सिंह, लोकेश चौहान, राजेश अम्बेवाला, सतीश गुप्ता, अर्जुन प्रजापति, अंकुर शर्मा, प्रशांत यादव, बाबू प्रधान, अनूप चतुर्वेदी, आशीष शर्मा, भव्य वैद सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, युवा, खिलाड़ी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

थाना दुद्धी पुलिस की बड़ी कार्यवाही, 20,000 रुपये का इनामी वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक

अभियुक्त अब्दुल्लाह कोन

गडगांव, थाना पांकी पिपरा टांड, जनपद पलामू, झारखण्ड। इनाम



सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा वांछित एवं इनामिया अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ब्रह्मभरुणवाल वेड्स पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री विनय प्रभाकर साहनी के कुशल निर्देशन एवं प्रभारी निरीक्षक दुद्धी के नेतृत्व में थाना दुद्धी पुलिस द्वारा 20,000 रुपये के इनामी वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। पुलिस कार्यवाही- दिनांक 29.09.2026 को थाना दुद्धी पुलिस को मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि थाना दुद्धी पर पंजीकृत मु0अ0स0 250/2026, धारा 81/8/27ए/29/60 एनडीपीएस एक्ट में वांछित एवं 20,000 रुपये का इनामी

और आने वाला है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक दुद्धी मय पर्याप्त पुलिस बल द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई तथा इनामिया वांछित अभियुक्त अब्दुल्लाह पुत्र अली मोहम्मद अंसारी, निवासी गडगांव, थाना पांकी पिपरा टांड, जनपद पलामू, झारखण्ड को कोन तिराहा, थाना विण्डमगंज, जनपद सोनभद्र दिनांक 29.09.2026 समय 11:00 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय सोनभद्र भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण:- अब्दुल्लाह पुत्र अली मोहम्मद अंसारी निवासी -

- रु20,000/- सम्बन्धित अभियोग: मु0अ0स0 250/2026, धारा 81/8/27ए/29/60 एनडीपीएस एक्ट, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र। गिरफ्तारी का स्थान एवं दिनांक/समय-स्थान: कोन तिराहा, थाना विण्डमगंज, जनपद सोनभद्र दिनांक: 29.09.2026 समय: 11:00 बजे गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1. प्र0नि0 विश्वनाथ प्रताप सिंह थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 श्यामजी यादव थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 सर्वेश सिंह थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 लक्ष्मण शंकर यादव थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। 5. का0 तेजप्रकाश योगी थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र।

गन्ने की नई उन्नत किस्में बनाएंगी किसानों को समृद्ध, इंटरनेशनल ट्रेड शो में किया गया प्रदर्शन योगी सरकार के प्रयास से गन्ने की खेती में बढ़ेगी 'मिठास', 100 टन प्रति हेक्टेयर तक उपज देंगी चार नई किस्में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा इंटरनेशनल ट्रेड शो में

'मिठास' बढ़ेगी। ट्रेड शो में को.शा. 19231, को.शा.

की उत्पादकता और चीनी उत्पादन बढ़ने की संभावना रहती है। इन



चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के स्टॉल पर गन्ने की नवीन उन्नत चार किस्में का प्रदर्शन किया गया है। इन किस्में की उपज क्षमता लगभग 90 से 100 टन प्रति हेक्टेयर है। इन उन्नत किस्मों में गन्ने के प्रमुख रोग लाल सड़न (रेड रॉट) के प्रति रोगरोधी या प्रतिरोधी प्रवृत्ति भी पाई जाती है। इसके साथ ही इनमें अंकुरण और शुरुआती बढ़वार अच्छी होती है। मिल में पेरार्थ योग्य गन्नों की संख्या भी अधिक होने से गन्ने

18231, को.शा. 13235 और को.शा. 17231 किस्मों को प्रदर्शित किया गया है। इन किस्मों की उपज क्षमता लगभग 90 से 100 टन प्रति हेक्टेयर है। इन उन्नत किस्मों में गन्ने के प्रमुख रोग लाल सड़न (रेड रॉट) के प्रति रोगरोधी या प्रतिरोधी प्रवृत्ति भी पाई जाती है। इसके साथ ही इनमें अंकुरण और शुरुआती बढ़वार अच्छी होती है। मिल में पेरार्थ योग्य गन्नों की संख्या भी अधिक होने से गन्ने

किस्मों की एक अन्य खासियत अच्छी पेड़ी क्षमता है। पेड़ी फसल का बेहतर उत्पादन होने से किसानों को अगली फसल तैयार करने में लागत कम करने के साथ अच्छा उत्पादन प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

नवीन उन्नत किस्मों के इस्तेमाल से किसानों को बेहतर उत्पादन के साथ गन्ने की खेती को अधिक लाभकारी बनाने में सहायता मिल सकती है।

यशोदा मेडिसिटी ने शुरू की 'जिम ट्रेनर कार्डियक रिस्पोन्स' पहल, कार्डियक इमरजेंसी में त्वरित मदद पर जोर 'Rep se Rescue tak' फिटनेस प्रोफेशनल्स को सीपीआर और इमरजेंसी रिस्पोन्स की ट्रेनिंग देता है। इस ट्रेनिंग से दिल्ली-एनसीआर के जिम में कार्डियक इमरजेंसी से निपटने की व्यवस्थित तैयारी होती है।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गाजियाबाद के यशोदा मेडिसिटी ने विश्व हृदय दिवस के अवसर पर 'Rep se Rescue tak, ट्रेनर हाउस' 'रिस्पोन्ड फास्टर' नाम से एक विशेष कैंपन शुरू किया है। इसका उद्देश्य दिल्ली एनसीआर के फिटनेस क्षेत्र को इस तरह तैयार करना है कि लोग हार्ट से जुड़ी इमरजेंसी स्थिति में तुरंत और सही तरीके से प्रभावित व्यक्ति की मदद कर सकें। इस प्रहल में जिम, फिटनेस प्रोफेशनल्स, कार्डियोलॉजिस्ट, इमरजेंसी मेडिसिन विशेषज्ञ, पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट और फिटनेस इन्स्यूएंसर एक साथ आए हैं। अभियान का फोकस फिटनेस के उस पहलू पर है, जिस पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता। यह पहल ट्रेनिंग के दौरान मेडिकल इमरजेंसी होने पर तुरंत मदद के लिए तैयार रहने पर जोर देती है। यह पहल भारत के कुछ हिस्सों में वर्कआउट के दौरान या उसके तुरंत बाद अचानक गिरने और कार्डियक से जुड़ी इमरजेंसी स्थिति की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए शुरू की गई है। पिछले कुछ महीनों में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जिनमें लोगों को एक्सरसाइज करते समय हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट या सीने में बेचैनी का सामना करना पड़ा है। इससे फिटनेस सेंटरों की तैयारी को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं कि क्या वे चेतावनी के संकेतों को पहचान सकते हैं और मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में सही कदम उठा सकते हैं। यह चिंता अब पॉलिसी से जुड़ी चर्चाओं का भी हिस्सा बन गई है। पंजाब ने 2025 में जिम जाने वालों और खिलाड़ियों में अचानक कार्डियक अरेस्ट को रोकने के लिए एक खास एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में मेडिकल स्क्वीन, सुरक्षित ट्रेनिंग के तरीकों और इमरजेंसी रिस्पोन्स से जुड़ी सिफारिशें शामिल हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए यशोदा मेडिसिटी ने 'rep se rescue tak' पहल को तीन आपस में जुड़े हुए आधारों पर तैयार किया है। पहली एक्सपर्ट की देखरेख में हृदय की सेहत और फिटनेस के बारे में जागरूकता, दूसरी व्यवस्थित ट्रेनर सर्टिफिकेशन और तीसरी इमरजेंसी में तुरंत मदद करने की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग है। इस पहल में यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. पी.एन. अरोड़ा; इमरजेंसी मेडिसिन और टॉमा केयर के डायरेक्टर और हेड डॉ. संदीप जैन; इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के डायरेक्टर डॉ. अमित खन्ना; इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी और स्ट्रक्चरल हार्ट के डायरेक्टर डॉ. मनीष अग्रवाल; इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के डायरेक्टर डॉ.

धीरेंद्र सिंघानिया; कार्डियो-थोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी के डायरेक्टर और यूनिट हेड डॉ.



रचित सक्सेना; पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी और सीटीवीएस के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. गौरव कुमार; और फिटनेस और वेलनेस कोच श्री नीरज पाल शामिल हैं। ये सभी मिलकर इस कैंपन के लिए लीडरशिप, क्लीनिकल, इमरजेंसी, पीडियाट्रिक कार्डियक इलाज और फिटनेस से जुड़ी एक्सरसाइज में मदद कर रहे हैं। यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. पी.एन. अरोड़ा ने कहा, 'भारत में फिटनेस कल्चर तेजी से बदल रहा है। इसलिए फिटनेस में ऐसी स्थितियों के लिए तैयारी भी शामिल होनी चाहिए जिनमें तुरंत इलाज की जरूरत होती है। जब हृदय से जुड़ी कोई इमरजेंसी होती है, तो उस व्यक्ति के सबसे करीब मौजूद लोग ही अक्सर मदद की प्रक्रिया में सबसे पहले शामिल होते हैं। 'rep se rescue tak' पहल के माध्यम से हम जिम, ट्रेनर और फिटनेस प्रोफेशनल्स को उन अहम शुरुआती मिनटों में कार्रवाई करने के लिए जरूरी जानकारी और आत्मविश्वास देना चाहते हैं। 'यशोदा सर्टिफाइड जिम एंड ट्रेनर इनिशिएटिव' हमारा एक छोटा सा प्रयास जिसके जरिए हम हृदय से जुड़ी इमरजेंसी की तैयारी को हॉस्पिटल से निकालकर आम लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं और इसे फिटनेस इकोसिस्टम का एक व्यावहारिक हिस्सा बनाना चाहते हैं।' इस पहल में हिस्सा लेने वाले जिमों में 70 से ज्यादा फिटनेस प्रोफेशनल्स ने यशोदा सर्टिफाइड जिम एंड ट्रेनर इनिशिएटिव को पूरा कर लिया है। यह सर्टिफिकेशन जिम ट्रेनरों को संदिग्ध कार्डियक अरेस्ट की स्थिति में कार्रवाई करने के लिए तैयार करता है, जैसे कि बेहोश व्यक्ति की पहचान, प्रोफेशनल मेडिकल हेल्प (चिकित्सा सहायता) को सक्रिय करना, सीपीआर शुरू करना और यह समझना शामिल है कि ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर का उपयोग कब किया जा सकता है। ट्रेनिंग को लाइव सीपीआर प्रदर्शनों और व्यावहारिक सिमुलेशन के माध्यम से बेहतर बनाया जाता

है, जहां प्रतिभागी बेहोश व्यक्ति की स्थिति समझने, छाती पर दबाव शुरू करने और प्रोफेशनल सहायता आने तक मरीज और हॉस्पिटल के बीच कोआर्डिनेट करते हैं। हृदय से जुड़ी इमरजेंसी में तुरंत कार्रवाई की जरूरत होती है, इसलिए घटना वाली जगह पर तैयारी होने से व्यक्ति के बचने की संभावना बढ़ जाती है। यशोदा

मेडिसिटी वेड्स इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के डायरेक्टर डॉ. अमित खन्ना ने कहा, 'हृदय से जुड़ी इमरजेंसी बिना किसी खास चेतावनी के आ सकती है, और शुरुआती कुछ मिनटों में देखभाल से मरीज को सेहत में बहुत फर्क पड़ सकता है। इमरजेंसी के समय फिटनेस प्रोफेशनल अक्सर उस व्यक्ति के सबसे करीब होते हैं, इसलिए उनका तैयारी जिम की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होती है। संदिग्ध कार्डियक अरेस्ट को पहचानना, मेडिकल मदद बुलाना और सही देखभाल गोल्डन ऑवर में शुरू करना जानने से प्रोफेशनल मेडिकल मदद आने तक के महत्वपूर्ण समय को संभाला जा सकता है। फिटनेस के माहौल में यह तैयारी करना, एक्सरसाइज की जगहों को सुरक्षित बनाने और दिल से जुड़ी इमरजेंसी के लिए बेहतर ढंग से तैयार करने की दिशा में एक जरूरी और महत्वपूर्ण कदम है।' यह कैंपन सिर्फ जिम तक ही सीमित नहीं है, बल्कि दिल्ली-एनसीआर में फिटनेस और कम्प्युनिटी इन्स्यूएंसर के जरिए जिम्मेदारी से एक्सरसाइज करने और हृदय की सेहत के बारे में बातचीत को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए भी है। इस पहल का उद्देश्य रोजमर्रा की फिटनेस से जुड़ी बातचीत में हृदय की सुरक्षा के मुद्दे को शामिल करना और जिम्मेदारी से एक्सरसाइज करने के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। 'Rep se Rescue tak, ट्रेनर हाउस' 'रिस्पोन्ड फास्टर' के माध्यम से यशोदा मेडिसिटी हॉस्पिटल के दायरे से बाहर भी कार्डियक केयर के लिए अपने प्रयासों को मजबूत कर रहा है। यह पहल प्रिवेंटिव हेल्थ, शुरुआती रिस्पोन्स और कम्प्युनिटी की तैयारी के प्रति हॉस्पिटल की लंबे समय की प्रतिबद्धता को दिखाती है। इसका उद्देश्य रोजमर्रा की कम्प्युनिटी जगहों पर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और रिस्पोन्स की क्षमता को बढ़ाना है, साथ ही कार्डियक सुरक्षा को फिटनेस इकोसिस्टम का एक अहम हिस्सा बनाना है।

सोनभद्र 29 सितंबर उद्योग बंधु एवं व्यापार बंधु की बैठक अपर जिला अधिकारी रमेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग विनोद कुमार चौधरी ने किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि हमारे जनपद में उद्योग एवं खनिज

घंटे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग काफी दिनों से उठ रही है इस मूर्त रूप देने के लिए भी काफी प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि मेडिकल



संपदा जनपद में पर्याप्त है, परंतु स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर अपेक्षाकृत सीमित हैं। शर्मा ने सुझाव दिया कि जिला स्तर पर 'सोनभद्र रोजगार मिशन' बनाकर अगले वर्ष तक स्थानीय युवाओं वेड्स लिए रोजगार/स्वरोजगार के लक्ष्य निर्धारित किए जा सकते हैं। उन्होंने इसका प्रारंभिक एक्शन रोड मैप अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन के रूप में देते हुए हुए कहा कि प्रथम चरण में यदि 1000 रोजगार अवसर सृजित किए जाएं जाने का लक्ष्य रखा जाए। रोजगार अवसर व्यापारिक प्रतिष्ठानों, उद्योगों, अस्पतालों, होटल एवं रेस्टोरेंट, परिवहन ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक, मोबाइल एवं कंप्यूटर, निर्माण सामग्री, सर्विस सेंटर, लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स अन्य व्यवसायों में उपलब्ध एवं संभावित रिक्रियों को चिन्हित कर कम से कम 1000 स्थानीय रोजगार/प्रशिक्षु अवसरों का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। शर्मा ने कहा कि मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड के लिए एक से डेढ़ महीने का इंतजार करना पड़ रहा है तीन मशीनें होने के बावजूद रेडियोलॉजिस्ट की कमी के कारण प्रतिदिन मरीजों की लगभग 40 जांच ही हो पा रही है जिसके कारण काफी मरीजों को वापस लौटना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर 2026 को आंधी बारिश के कारण मेडिकल कॉलेज के एमबी एवं सी ब्लॉक में अचानक बिजली गूल हो गई जो पूरी रात नहीं आई और भर बिजली नहीं रहने से मरीज वह उनके तीमारदार काफी परेशान रहे। सबसे ज्यादा दिक्कत इमरजेंसी वार्ड में हुई अगले दिन भी ट्रिपिंग होती रही जनरेटर इनवर्टर से व्यवस्था चलाने का प्रयास हुआ लेकिन लोड पूरी तरह से नहीं उठा सका। शर्मा ने सुझाव दिया कि मेडिकल कॉलेज को निर्वाह विद्युत आपूर्ति के लिए डेडीकैटेड फीडर, डीजी बैकअप और ऑटोमेटिक चेंजओवर की स्थाई व्यवस्था होनी चाहिए। जिससे बिजली की अबाध आपूर्ति मिलती रहे और इमरजेंसी सेवाएं बाधित न हो। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल के पुराने भवन में 24

कॉलेज प्रबंधन की तरफ से पुरानी जिला चिकित्सालय को चिकित्सा विभाग को हैंडोवर कर दिया गया है। भवन को दुरुस्त करने के लिए एनसीएल की ओर से सी एस आर मद से थन उपलब्ध कराने पर सहमत भी मिल चुकी है। शर्मा ने मांग किया कि पुराने जिला चिकित्सालय भवन का कार्य जल्द पूर्ण कर प्रसव केंद्र, अर्बन पीएचसी, एवं 24 घंटे आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था सुवैधा करायी जाय। उन्होंने कहा कि इन दिनों मेडिकल कॉलेज में जेबककरे सक्रिय हैं जिनके कारण इलाज कराने आए गरीबों की जेब कट जा रही है। शर्मा ने वाणिज्य कर विभाग के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर विभाग के आयुक्त डॉ नितिन बंसल ने अपने आदेश में निर्देशित किया है कि प्रतिकूल आदेश से पहले व्यापारी को सुनवाई का अवसर दिया जाए और जीएसटी एक्ट की धारा 75(4) तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन किया जाए। श्री शर्मा ने कहा कि रिट टैक्स संख्या 1180/2023 सर्व श्री विश्वनाथ ट्रेडर्स, रिट टैक्स संख्या 303/2024 सर्व श्री महावीर ट्रेडिंग कंपनी, रिट संख्या 672/2024 एनएस एग्रो एंड इंजीनियरिंग प्रोडक्ट के वादों में माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा निर्णय दिया गया कि फील्ड स्तर पर उत्तर प्रदेश जीएसटी अधिनियम की धारा 75(4) का सम्यक् अनुपालन नहीं किया जा रहा है। आयुक्त राज्यकर ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर अधिनियम की धारा 75(4) के प्रावधानों एवं प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य रूप से नागेंद्र मोदनवाल, विनय जायसवाल, विवेक कुमार सिंह, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नरेंद्र कुमार गर्ग, विमल अग्रवाल, नवल बाजपेई, चंदन केसरी, प्रमोद गुप्ता, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल वेड्स धीरेंद्र जायसवाल, हाजी सलीम सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।



अयोध्या में पारंपरिक साड़ी में नजर आई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अरुनी सिंह राजपूत
(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अयोध्या। सोशल मीडिया ज़ोर भरवां हनुमान के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। अरुनी



इन्फ्लुएंसर अरुनी सिंह राजपूत का यह सांस्कृतिक लुक और



हाल ही में अयोध्या में पारंपरिक भारतीय परिधान में नजर आई। लाल रंग की खूबसूरत साड़ी और पारंपरिक अंदाज में उन्होंने हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने हाथ

हार्वर्ड से जुड़े वैश्विक नेतृत्व कार्यक्रम तक युवाओं की पहुंच बढ़ाएगा वाईएसएस फाउंडेशन-एलआईएफ सहयोग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा भारत के युवाओं को वैश्विक नेतृत्व, कौशल विकास

सदगी भरा अंदाज वहां मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित करता नजर आया। उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बने हुए हैं।



और करियर के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से वाईएसएस फाउंडेशन और एस्पायरिंग लीडर्स इंडिया फाउंडेशन (एलआईएफ) ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। साझेदारी के तहत पात्र युवाओं तक एस्पायर लीडर्स कार्यक्रम की पहुंच और जागरूकता बढ़ाने के साथ नेतृत्व विकास, करियर तैयारी, कौशल विकास, मार्गदर्शन और नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा। एस्पायर लीडर्स कार्यक्रम हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तरुण खन्ना और प्रोफेसर करीम लखानी द्वारा स्थापित किया गया था। छह सप्ताह के इस पूर्णतः वित्तपोषित ऑनलाइन वैश्विक नेतृत्व कार्यक्रम में नेतृत्व शिक्षा, विशेषज्ञ मार्गदर्शन, परामर्श, वैश्विक नेटवर्किंग और करियर विकास के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। कार्यक्रम में संवाद कौशल, करियर तैयारी, डिजिटल परिवर्तन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता, व्यावसायिक आत्मविश्वास और सामाजिक

निदेशक शीतल शर्मा के नेतृत्व में युवाओं को कौशल, नवाचार, करियर मार्गदर्शन और उद्यमिता के अवसरों से जोड़ने पर भी जोर दिया जाएगा। वाईएसएस फाउंडेशन के संस्थापक एवं निदेशक सचिन गुप्ता ने कहा कि यह सहयोग युवाओं को सार्थक सीखने और नेतृत्व के अवसरों से जोड़ने तथा उनके कौशल और आत्मविश्वास को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एलआईएफ के भारत निदेशक अमन जकार ने कहा कि दोनों संस्थाओं के नेतृत्वकर्ताओं तक सीखने, जुड़ने और आगे बढ़ने के अवसर पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। समझौते पर 29 सितंबर को नोएडा में दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर सचिन गुप्ता, शीतल शर्मा और कार्तिक इंदोरिया सहित दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दैवीय आपदा में प्रभावित लोगों की युद्धस्तर पर सरकारी मदद प्रदान करे अधिकारी- मनोज पाण्डेय

गरीब, कमजोर के साथ खड़े रहना ही जीवन का मूल मकसद, खाद्य रसद मंत्री ने अतिवृष्टि से प्रभावित 16 ग्राम पंचायतों में किया दौरा पहुंचाई राहत सामग्री व धनराशि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) दौरान मा0 मंत्री ने प्रभावित रायबरेली। सोमवार को 28



सितम्बर 2026, मा0 मंत्री, खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार मनोज कुमार पाण्डेय ने रायबरेली को विधानसभा क्षेत्र ऊंचाहार के अति-वृष्टि से प्रभावित विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित परिवारों के बीच पहुँचकर उनसे सीधे संवाद किया तथा बारिश से मकानों, घरेलू सामान एवं अन्य संसाधनों को हुई क्षति की जानकारी ली। मंत्री ने मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अति-वृष्टि से प्रभावित प्रत्येक परिवार की क्षति का समुचित आकलन करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप पात्र परिवारों तक सहायता शीघ्र पहुँचाई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संकट की इस घड़ी में किसी भी प्रभावित परिवार को आवश्यक सहायता के लिए परेशान न होना पड़े और राहत कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। इस

कुमार पाण्डेय ने कहा, 'ऊंचाहार की जनता मेरे लिए केवल विधानसभा क्षेत्र की जनता नहीं, बल्कि मेरा अपना परिवार है। परिवार पर जब भी कोई संकट आता है तो उसके सुख-दुख में साथ खड़ा रहना मेरा दायित्व भी है और संकल्प भी। अति-वृष्टि से प्रभावित किसी भी परिवार को स्वयं को अकेला महसूस नहीं होने दिया जाएगा।' उन्होंने अधिकारियों से राहत एवं सहायता कार्यों की नियमित निगरानी करने, प्रभावित परिवारों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने तथा आवश्यक व्यवस्थाएँ समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि जनता की सेवा, उसके सम्मान और



कि प्राकृतिक आपदा से उत्पन्न कठिन परिस्थितियों में प्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं और आवश्यकता की इस घड़ी में हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। मा0 मंत्री मनोज

अंतरराष्ट्रीय मंच पर गुंजी प्रयागराज की आवाज, यू.पी.आई.टी.एस में प्रियांशु श्रीवास्तव ने की उद्घोषणा, प्लेबैक सिंगर मोनाली ठाकुर ने बिखेरा जलवा

पद्मश्री पंडित शिवनाथ मिश्रा और राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित कलाकार पंडित रवि शंकर उपाध्याय की प्रस्तुतियाँ, पंडित राधे श्याम बंदा बैरागी बँड, मुंबई ने मचाया धमाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। ग्रेटर नोएडा में



आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2026 में प्रयागराज के वरिष्ठ उद्घोषक एवं कलाकार प्रियांशु श्रीवास्तव ने उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग की ओर से मंचीय उद्घोषणा की। पांच दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में देश-विदेश के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों, उद्यमियों और दर्शकों ने सहभागिता की। प्रियांशु श्रीवास्तव ने आयोजन के दो दिनों में मंचीय कार्यक्रमों का संचालन किया। इस दौरान देश के प्रतिष्ठित कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को विशेष बनाया। प्लेबैक सिंगर मोनाली ठाकुर, पद्मश्री पंडित शिवनाथ मिश्रा, राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित कलाकार पंडित रवि शंकर उपाध्याय तथा पंडित राधे श्याम बंदा बैरागी बँड, मुंबई की प्रस्तुतियाँ प्रमुख आकर्षण रहीं। प्रयागराज के कलाकारों ने भी आयोजन में अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शहर का प्रतिनिधित्व किया। पूर्णिमा

अधिकारों की रक्षा सदैव उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। ऊंचाहार के प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ वे पूरी मजबूती से खड़े हैं और आवश्यकता की इस घड़ी में हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' भी मौजूद रहे। महाकुंभ 2025 में दूरदर्शन, संस्कृति विभाग एवं संस्कृति मंत्रालय से जुड़े मंचों पर प्रस्तुति देने के बाद यूपीआईटीएस जैसा अंतरराष्ट्रीय मंच प्रियांशु श्रीवास्तव के मंचीय सफर की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विदेशी दर्शकों के बीच हिंदी में उनकी प्रभावशाली उद्घोषणा ने भारतीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को मंच से जोड़ने में भूमिका निभाई। प्रियांशु श्रीवास्तव ने इस उपलब्धि का श्रेय उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के समस्त पदाधिकारियों, नोडल अधिकारी

अप्रेंटिस मेला आज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राजकीय औद्योगिक



प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज में दिनांक 30 सितम्बर 2026 समय 10:00 बजे अप्रेंटिस मेले का आयोजन होना सुनिश्चित

हवा है। जिसमें महिंद्रा एंड महिंद्रा (स्वराज ट्रैक्टर डिविजन) 31 फ़ाल्गुनी हरियाणा प्रतिभाग कर रही हैं। हाई स्कूल के साथ आईटीआई अर्थात् 18 से 28 वर्ष किसी भी व्यवसाय से आईटीआई पास अभ्यर्थियों का एनएपीएस पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। h t t p : / / www.apprenticeshipindia.gov/in/

राजभाषा के रूप में हिंदी ने राष्ट्रीय स्तर पर संवाद स्थापित करने में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

हिंदी पखवाड़ा का डाक विभाग द्वारा समापन, पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने विजेताओं को किया पुरस्कृत, राजभाषा हिंदी को परिवर्तन और विकास की भाषा के रूप में मिले नए आयाम-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अहमदाबाद। हिंदी



एक समृद्ध, सशक्त और अभिव्यक्ति की दृष्टि से सक्षम भाषा है। राजभाषा के रूप में हिंदी ने राष्ट्रीय स्तर पर संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आवश्यकता इस बात की है कि हम हिंदी को केवल हिंदी दिवस या पखवाड़ा तक सीमित न रखें, बल्कि ज्ञान, व्यवहार, प्रशासन, तकनीक और सृजन के विभिन्न क्षेत्रों में इसके स्वाभाविक एवं प्रभावी प्रयोग को निरंतर बढ़ावा दें। उक्त उद्गार वरिष्ठ साहित्यकार एवं उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने 28 सितंबर, 2026 को क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद में आयोजित 'हिंदी पखवाड़ा' समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के विजेताओं को उन्होंने हिंदी पुस्तकें और प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि हिंदी की मधुरता में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना निहित है और इसकी सरलता में गहन ज्ञान समाहित है। हिंदी को परिवर्तन और विकास की भाषा के रूप में नया आयाम मिला

है। हिंदी की सबसे बड़ी ताकत इसके बोलने वालों की विशाल प्रतियोगिता में अभिषेक पीठडीया, योगेश रामानुज, निशा पटेल, हिंदी व्याकरण प्रतियोगिता में हिमांशु प्रजापति, कांशाल पटेल, दिलीपकुमार पगी को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में आर टी पटेल और अभिषेक पीठडीया को प्रथम, रामस्वरूप मंगवा और योगेश रामानुज को क्रमशः द्वितीय व तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हिंदी अंताक्षरी प्रतियोगिता में भरत रेगार, कल्पेश परमार, पायल टी पटेल, भावेश भरवाड, सुरेखा देसाई को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



कार्यक्रम के दौरान स्वागत भाषण सहायक निदेशक (राजभाषा) अल्पेश शाह, आभार ज्ञापन सहायक निदेश वी एम वहेरार एवं संचालन अभिषेक पीठडीया ने किया। सहायक निदेशक रितुल गांधी, वरिष्ठ लेखाधिकारी पूजा राठौर, सहायक अधीक्षक बिरंग शाह, जीनेश पटेल, रमेश पटेल, रोचक शाह, सहायक लेखाधिकारी सुभाष बारपाल, रामस्वरूप मंगवा, डाक निरीक्षक पायल पटेल, योगेश पंचोली, रवि रावत, सहित तमाम अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री राकेश खरे के निर्देशन में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आंगन मिलन सेवा का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) स्वास्थ्य टीकाकरण मात्र



के मैट्रोला आंगनबाड़ी केंद्र में किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित किए जाने वाले आंगन मिलन सेवा केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व में शासन की सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और आंगनबाड़ी केंद्रों को जन भागीदारी का सशक्त केंद्र बनाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। आंगन मिलन सेवा के माध्यम से बच्चों एवं माता को पोषण

पर मैदानी हमले में खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन होगा। कार्यक्रम अंतर्गत जनपद अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षी सिंह द्वारा अपील की गई कि किसने मार्गदर्शन एवं गरिमा में सहभागिता से आंगन मिलन सेवा को जन भागीदारी का व्यापक स्वरूप मिलेगा और मेरी आंगनबाड़ी मेरी जिम्मेदारी का संदेश भी समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचेगा। आंगन मिलन सेवा के प्रथम दिवस पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा आंगनबाड़ी के बच्चों को मिठाई फल एवं पुरस्कार वितरण किया गया तत्पश्चात वृक्षारोपण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां वितरण की गई। कार्यक्रम अंतर्गत विधायक श्री शरद जगलाल कॉल, जनपद अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षी सिंह, पूर्व जनपद सदस्य श्री प्रीति सिंह ग्राम पंचायत सरपंच, परियोजना अधिकारी श्री अजय प्रकाश मिश्रा, सेक्टर परीक्षक अंकित पटेल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी के बच्चे एवं उनके अभिभावक, स्वास्थ्य विभाग एवं राजस्व विभाग का अमला उपस्थित था।

श्रीरामलीला महोत्सव-2026 की तैयारियां जोरों पर, मुरादाबाद के श्रीजानकी कला मंच के कलाकारों द्वारा भव्य प्रस्तुतीकरण होगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल, नोएडा द्वारा रामलीला मैदान, सी-ब्लॉक, सेक्टर-62 में 11 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक होने वाले श्रीरामलीला महोत्सव-2026 की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। श्रीरामलीला महोत्सव आयोजन समिति के महासचिव डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि श्रीरामलीला मंचन के भव्य प्रस्तुतीकरण के लिये श्रीजानकी कला मंच के लगभग 60 कलाकार प्रतिदिन मुरादाबाद में मंचन की तैयारी व रीहर्सल कर रहे हैं। इस वर्ष फिलॉसॉफ़ व धारावाहिकों में कार्य करने वाले कई कलाकारों द्वारा रामलीला मंचन होगा। निर्देशन की भूमिका में संजीव कुमार होंगे। भगवान राम की भूमिका में आईटीआई प्रशिक्षित अनुज स्वसेना, लक्ष्मण की भूमिका में स्नातक रोहित सैनी, भरत की भूमिका में एमए पास जोशी

पंडित, शत्रुघ्न की भूमिका में बीकॉम सनी सिंह, माता सीता की भूमिका में कोरियोग्राफर परी शर्मा, रावण की भूमिका में आईटीआई प्रशिक्षित तुषार सिंह, हनुमान जी की भूमिका में बीटेक संतोष आर्या, कैंकेयी की भूमिका में एम कॉम कनिष्ठा, सुमित्रा की भूमिका में स्नातक प्रीति, कोशल्या की भूमिका में स्नातक प्रीत ठाकुर, भगवान शंकर की भूमिका में आईटीआई प्रशिक्षित रोहित, केवट की भूमिका में एम कॉम अनुज भारद्वाज, विभीषण की भूमिका में दसवीं पास कुशा गुप्ता, मेघनाथ की भूमिका में स्नातक विशेष त्यागी, बाली की भूमिका में इंजीनियर मंजीत, राजा जनक की भूमिका में बीकॉम संजीव त्यागी, कामदेव और नारद जी की भूमिका में मॉडल हर्ष त्यागी, सुग्रीव की भूमिका में स्नातक दीपक चौधरी, अंगद की भूमिका हर्ष त्यागी, मारीच की

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के तहत मेहंदी प्रतियोगिता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित। मेहंदी के रंगों के साथ बेटीयों के अधिकारों और सुरक्षा का दिया संदेश। कन्या सुमंगला सहित महिला कल्याण योजनाओं की दी गई जानकारी, संविलियन विद्यालय चकया में जागरूकता कार्यक्रम, छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) द्वारा छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं सोनभद्र। जिलाधिकारी एवं जिला जनमानस को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र



प्रोबेशन अधिकारी वेड एवं महिला-बालिका सुरक्षा से लाभार्थियों को योजनाओं से



निर्देशानुसार संविलियन विद्यालय चकया, नगांव सोनभद्र में सितंबर माह के अंतर्गत बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत मेहंदी प्रतियोगिता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वन सेंट्रल सेंटर से श्रीमती दीपिका सिंह, जेंडर एक्सपर्ट श्रीमती साधना मिश्रा एवं चाइल्ड हेल्पलाइन से श्रीमती सीमा शर्मा

संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम वेड दौरान आयोजित मेहंदी प्रतियोगिता में सुन्दरपरी, कक्षा-8 ने प्रथम, अजना, कक्षा-7 ने द्वितीय तथा खुशी, कक्षा-8 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिन्हें टीम द्वारा सम्मानित किया गया। उपस्थित छात्राओं एवं जनमानस को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित महिला कल्याण विभाग

की सुरक्षा एवं सहायता हेतु टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान योजनाओं एवं जागरूकता से संबंधित पंफ्लेट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य चिंतामणि सिंह, सहायक अध्यापक अरुणेश चंद्र पांडेय, प्रभात कुमार एवं संतोष कुमार सहित कुल 158 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अनुज त्रिपाठी बने राष्ट्रीय लोक दल के जिला महासचिव, जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने साँपा नया दायित्व, पार्टी पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय लोक दल, जनपद सोनभद्र में संगठन को और मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से अनुज त्रिपाठी को जिला महासचिव का नया दायित्व सौंपा गया। यह जिम्मेदारी जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी द्वारा प्रदान की गई। अनुज त्रिपाठी

को नई जिम्मेदारी मिलने पर जिला संगठन महासचिव धीरज चौबे ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वहीं जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर विश्वकर्मा ने भी अनुज त्रिपाठी

को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। जिला अनुशासन समिति के अध्यक्ष भोला नाथ देव पाण्डेय ने भी उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दिनेश मिश्रा, धीरेन्द्र राय (बरिष्ठ नेता रालोद) आशीष मिश्रा सहित पार्टी के

02 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती मनाये जाने को लेकर आज होगी बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी उन्होंने बताया कि उक्त बैठक में सम्बन्धित अधिकारियों/



(वि/रा/0), सोनभद्र ने अवगत कराया है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती 02 अक्टूबर 2026 को मनाये जाने के सम्बन्ध में 30 सितंबर 2026 को अपराह्न 1:00 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गयी है।

प्रतिनिधियों की उपस्थिति आवश्यक है। अतः सभी सम्बन्धित अधिकारी निर्धारित तिथि एवं समय पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में ससमय प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।



डीएम की जनसुनवाई में बदली उम्मीद की तस्वीर, कच्चे मकान की समस्या लेकर पहुंची महिला का आवास हुआ स्वीकृत

जनसुनवाई में त्वरित कार्रवाई से मिली राहत, आवास स्वीकृत होने पर महिला ने टपकती थी कच्चे मकान की छत, अब पक्के आशियाने की उम्मीद से चेहरे पर आई मुस्कान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी की जनसुनवाई में फरियाद लेकर पहुंची ग्राम सलखन बैरीहवा टोला, विकासखंड रौबटसंग निवासी रासे पत्नी मदन की आवास संबंधी समस्या का तत्काल समाधान कराया गया। महिला ने जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करते हुए बताया कि वह कच्चे मकान में निवास करती हैं। बरसात के दौरान मकान की छत टपकने से उन्हें और उनके परिवार को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। महिला की समस्या सुनने के बाद जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए

आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में संबंधित अधिकारियों द्वारा तत्काल प्रक्रिया पूरी कराते हुए महिला का आवास स्वीकृत कराया



बरसात के दौरान होने वाली परेशानी से अब उन्हें निजात मिलने और अपने परिवार के लिए सुरक्षित आवास मिलने की उम्मीद जगी है। जनसुनवाई में हुई यह त्वरित कार्रवाई जरूरतमंद

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 11 से 20 अक्टूबर तक जनपद में होंगे भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) स्थापना हेतु रु60,000 की

उत्तर प्रदेश बजट 2025-2026



सहायता राशि कन्या के खते में डीबीटी के माध्यम से अंतरित की जाएगी। वैवाहिक उपहार सामग्री हेतु रु25,000 तथा भोजन, पण्डाल, फर्नीचर, पेयजल, विद्युत/प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु रु15,000 प्रति जोड़ा व्यय किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत आवेदन हेतु मेन्स लुन्हुद-ह वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इच्छुक व्यक्ति अपनी कन्या के विवाह हेतु उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन

कर सकते हैं। आवेदन की पात्रता के लिए कन्या के अभिभावक का उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना तथा कन्या/कन्या के परिवार की वार्षिक आय रु3.00 लाख से अधिक न होना आवश्यक है। विवाह की तिथि को कन्या की आयु 18 वर्ष तथा वर की आयु 21 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए। आयु की पुष्टि के लिए विद्यालय का शैक्षिक रिकॉर्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड एवं आधार कार्ड मान्य होंगे। इसके साथ ही कन्या का बैंक खाता तथा कन्या एवं वर के पासपोर्ट साइज फोटो आवश्यक होंगे। उन्होंने बताया कि योजना के अन्तर्गत निर्धन परिवार की अविवाहित कन्या का विवाह कराया जा सकता है। साथ ही विधवा, परित्यक्ता तथा कानूनी रूप से विच्छेद/तलाक हो चुकी तलाकशुदा महिला का पुनर्विवाह भी कराया जा सकता है। अनुसूचित जाति/जनजाति तथा अति पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। विवाह हेतु निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री तथा स्वयं दिव्यांग कन्या को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। इच्छुक पात्र लाभार्थी निर्धारित वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

कर सकते हैं। आवेदन की पात्रता के लिए कन्या के अभिभावक का उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना तथा कन्या/कन्या के परिवार की वार्षिक आय रु3.00 लाख से अधिक न होना आवश्यक है। विवाह की तिथि को कन्या की आयु 18 वर्ष तथा वर की आयु 21 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए। आयु की पुष्टि के लिए विद्यालय का शैक्षिक रिकॉर्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड एवं आधार कार्ड मान्य होंगे। इसके साथ ही कन्या का बैंक खाता तथा कन्या एवं वर के पासपोर्ट साइज फोटो आवश्यक होंगे। उन्होंने बताया कि योजना के अन्तर्गत निर्धन परिवार की अविवाहित कन्या का विवाह कराया जा सकता है। साथ ही विधवा, परित्यक्ता तथा कानूनी रूप से विच्छेद/तलाक हो चुकी तलाकशुदा महिला का पुनर्विवाह भी कराया जा सकता है। अनुसूचित जाति/जनजाति तथा अति पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। विवाह हेतु निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री तथा स्वयं दिव्यांग कन्या को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। इच्छुक पात्र लाभार्थी निर्धारित वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

कर सकते हैं। आवेदन की पात्रता के लिए कन्या के अभिभावक का उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना तथा कन्या/कन्या के परिवार की वार्षिक आय रु3.00 लाख से अधिक न होना आवश्यक है। विवाह की तिथि को कन्या की आयु 18 वर्ष तथा वर की आयु 21 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए। आयु की पुष्टि के लिए विद्यालय का शैक्षिक रिकॉर्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड एवं आधार कार्ड मान्य होंगे। इसके साथ ही कन्या का बैंक खाता तथा कन्या एवं वर के पासपोर्ट साइज फोटो आवश्यक होंगे। उन्होंने बताया कि योजना के अन्तर्गत निर्धन परिवार की अविवाहित कन्या का विवाह कराया जा सकता है। साथ ही विधवा, परित्यक्ता तथा कानूनी रूप से विच्छेद/तलाक हो चुकी तलाकशुदा महिला का पुनर्विवाह भी कराया जा सकता है। अनुसूचित जाति/जनजाति तथा अति पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। विवाह हेतु निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री तथा स्वयं दिव्यांग कन्या को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। इच्छुक पात्र लाभार्थी निर्धारित वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480



स्पीटर्स



शाकाहारियों के लिए प्रोटीन के बेस्ट सोर्स, डॉक्टर से समझें शरीर में प्रोटीन के 10 जरूरी काम, डेफिशिएंसी के 8 संकेत

नयी दिल्ली। हमारे शरीर में अरबों कोशिकाएं हैं। हर कोशिका को ठीक से काम करने के लिए प्रोटीन चाहिए। प्रोटीन शरीर में अनगिनत काम करता

घटना। 03 बार-बार बीमार पड़ना। 04 घाव देर से भरना। 05 बाल झड़ना, पतले होना। 06 नाखून कमजोर होकर टूटना। 07 बार-बार भूख लगना। 08

करती है कि उसमें जरूरी अमीनो एसिड कितनी मात्रा में है। शरीर उसे कितनी अच्छी तरह पचा व इस्तेमाल कर पा रहा है। दूध, दही, पनीर और सोया का प्रोटीन

लगभग 19 ग्राम। शाम का स्नैक-भुना चना (30ग्राम) = 6 ग्राम। गिलास दूध, 8 ग्राम, कुल: लगभग 14 ग्राम, डिनर- 2 रोटी= 6 ग्राम, पनीर की सब्जी (100 ग्राम)= 18 ग्राम, कुल: लगभग 24 ग्राम। दिनभर का कुल प्रोटीन: करीब 60-70 ग्राम। सवाल- उम्र बढ़ने के साथ प्रोटीन की जरूरत क्यों बढ़ सकती है? जवाब-



है। मसल्स बनाता है, डैमेज टिश्यूज को रिपेयर करता है, हार्मोन-एंजाइम बनाता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत रखने में अहम भूमिका निभाता है। यही वजह है कि प्रोटीन शरीर का सबसे अहम कंपोनेंट है। मांसाहारी लोगों के लिए तो लीन प्रोटीन के देरों ऑप्शन हैं। लेकिन अक्सर ये सवाल उठता है कि शाकाहारियों को अछा और पर्याप्त प्रोटीन कैसे मिले। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में शाकाहारियों के लिए प्रोटीन ऑप्शंस की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- एक स्वस्थ शरीर को रोज कितने प्रोटीन की जरूरत होती है? प्रोटीन की डेली जरूरत को पूरा करने के लिए वेजिटेरियन थाली में क्या शामिल करें? विषय को अच्छे से समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटिशियन, फाउंडर- 'वनडाइटटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- शरीर के लिए प्रोटीन क्यों जरूरी है? जवाब- इसे पौष्टिक से समझिए- प्रोटीन शरीर के सबसे जरूरी पोषक तत्वों में से एक है। यह शरीर के बिल्डिंग ब्लॉक की तरह काम करता है। शरीर की हर कोशिका में प्रोटीन मौजूद होता है। ऑर्गन्स से लेकर हार्मोन, एंजाइम और एंटीबॉडी बनाने तक, प्रोटीन शरीर की लगभग हर जरूरी प्रक्रिया में शामिल है। यही वजह है कि वैज्ञानिक प्रोटीन को शरीर का 'वर्कहॉर्स' यानी सबसे मेहनती तत्व कहते हैं। प्रोटीन के 10 जरूरी काम:- 01 मसल्स बनाना व रिपेयर करना। 02 हड्डियों को मजबूत रखना। 03 स्किन, बाल और नाखून बनाना। 04 नई सेल्स और टिश्यू बनाना। 05 हार्मोन बनाने में मदद करना। 06 पाचन एंजाइम बनाना। 07 इम्यूनिटी में मदद करना। 08 ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करना। 09 शरीर में पर्लूड बैलेंस रखना। 10 जरूरत पर एनर्जी देना। सवाल- एक स्वस्थ व्यक्ति को रोज कितने प्रोटीन की जरूरत होती है? जवाब- इसकी जरूरत उम्र और शरीर के वजन पर निर्भर करती है। आइसोएमआर और एनआईए (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन) के मुताबिक, एक स्वस्थ वयस्क को डेली पर 0.83 ग्राम पर किग्रा बॉडीवेट प्रोटीन की जरूरत होती है। यानी अगर किसी का बॉडीवेट 60किग्रा है तो उसे रोज करीब 50 ग्राम प्रोटीन लेना चाहिए। सवाल- कैसे पहचानें कि शरीर में प्रोटीन की कमी है? जवाब- प्रोटीन की कमी का असर मसल्स, स्किन, बाल, इम्यूनिटी और एनर्जी लेवल पर पड़ता है। प्रोटीन की कमी के संकेत:- 01 हमेशा थकान, कमजोरी। 02 मसल्स का

शरीर में इंप्लेमेशन (गंभीर मामलों में)। सवाल- क्या वेजिटेरियन लोगों में हमेशा प्रोटीन की कमी होती है? जवाब- नहीं, अगर डाइट बैलेंस है तो शाकाहारी लोग भी अपनी प्रोटीन की डेली जरूरत पूरी कर सकते हैं। इसे ऐसे समझिए- प्रोटीन छोटे-छोटे अमीनो एसिड से मिलकर बना होता है। शरीर को कुल 20 तरह के अमीनो एसिड की जरूरत होती है। इनमें 9 एसो रेशियल अमीनो एसिड ऐसे हैं, जिन्हें शरीर खुद नहीं बना सकता। इसलिए इन्हें भोजन से लेना जरूरी होता है। अंडा, चिकन और मछली जैसे नॉन-वेज फूड्स में सभी 9 एसो रेशियल अमीनो एसिड पर्याप्त मात्रा में होते हैं। वहीं कई वेजिटेरियन फूड्स आइटम्स में इनमें से कुछ अमीनो एसिड अपेक्षाकृत कम होते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि शाकाहारियों में प्रोटीन की कमी होना तय है। दाल, अनाज, सोया और डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे वेरायटी प्रोटीन सोर्स से शरीर की प्रोटीन की जरूरत पूरी की जा सकती है। पर्याप्त प्रोटीन लेने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है। इससे बार-बार भूख लगने की समस्या और स्किन की आदत कम होती है। यही वजह है कि प्रोटीन बैलेंस वेत बनाए रखने में भी मदद करता है। सवाल- शाकाहारियों के लिए प्रोटीन के 10 बेस्ट सोर्स कौन-से हैं? जवाब- दाल, सोया, दूध, मटर और नट्स जैसे चीजें डाइट में शामिल करके प्रोटीन की जरूरत आसानी से पूरी कर सकते हैं। सोया चंक्स, पनीर, ग्रीक योगर्ट/हंग काई, दूध। गिलास, दही, चना/छोले, राजमा, दाल, मूंगफली, मटर। सवाल- क्या इन सभी सोर्सज से मिलने वाले प्रोटीन एक जैसे होते हैं? जवाब- नहीं, प्रोटीन की क्वालिटी इस बात पर निर्भर

एक साथ सभी जरूरी अमीनो एसिड देते हैं। इन्हें 'क्लीट प्रोटीन' कहा जाता है। दूध और दही इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

असर पड़ सकता है।

सवाल- बैलेंस प्रोटीन के

अलावा हेल्दी रहने के लिए और

क्या चीजें जरूरी हैं? जवाब-

शरीर को सही तरीके से काम

करने के लिए पर्याप्त पानी,

कार्बोहाइड्रेट, हेल्दी फैट, फाइबर

और विटामिन-मिनरल्स के साथ

नियमित व्यायाम और अच्छी

वेजिटेरियन के लिए प्रोटीन के 10 बेस्ट सोर्स		
फूड	प्रोटीन	
01 सोया चंक्स 30 ग्राम ड्राई	15-16 ग्राम	
02 पत्तार 100 ग्राम	18 ग्राम	
03 चिक केर्ट/हंग वर्ड 150 ग्राम	15 ग्राम	
04 दूध 1 गिलास, 250ml	08 ग्राम	
05 दही 1 कटोरी	05 ग्राम	
06 पत्ता/छोले 1 कटोरी	7-9 ग्राम	
07 राजमा 1 कटोरी	7-9 ग्राम	
08 दाल 1 कटोरी	6-9 ग्राम	
09 कुश्मती 30 ग्राम	7-8 ग्राम	
10 नट्स 1 कप ग्रीन पीज	7-8 ग्राम	

सवाल- किस दाल में सबसे ज्यादा प्रोटीन होता है? जवाब- सभी दालों में प्रोटीन होता है। लेकिन उनकी मात्रा अलग-अलग होती है। किस दाल में कितना प्रोटीन- अरहर दाल 22ग्राम, मसूर दाल 25ग्राम, मूंग दाल 24ग्राम, उड़द दाल 25, चना दाल 21, सवाल- 60 ग्राम डेली प्रोटीन के लिए एक वेजिटेरियन थाली में कौन-सी चीजें शामिल करें? जवाब- एक सामान्य शाकाहारी व्यक्ति बिना प्रोटीन पाउडर, अंडा या चिकन के भी दिन भर की डाइट से करीब 60 ग्राम प्रोटीन प्राप्त कर सकता है। इसके लिए हर मील में एक प्रोटीन सोर्स शामिल करना जरूरी है। वेजिटेरियन थाली नाश्ता- 1 गिलास दूध=8 ग्राम, 2 बेसन चीला= 6-7 ग्राम, कुल: लगभग 15 ग्राम। दोपहर का खाना- 2 रोटी, 6 ग्राम, 1 कटोरी दाल, 6 ग्राम, 1 कटोरी दही = 7 ग्राम, कुल:

नींद भी जरूरी है। शरीर के लिए ये न्यूट्रिशन भी जरूरी:- 01 कार्बोहाइड्रेट, 02 हेल्दी फैट, 03 फाइबर, 04 विटामिन और मिनरल्स, 05 पर्याप्त पानी, 06 नियमित व्यायाम, 07 अच्छी नींद, 08 स्ट्रेस पर कंट्रोल सवाल- क्या बहुत ज्यादा प्रोटीन लेने के साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं? जवाब- हां, प्रोटीन शरीर के लिए जरूरी है, लेकिन जरूरत से ज्यादा प्रोटीन लेने से कुछ लोगों को हेल्थ इश्यूज हो सकते हैं। प्रोटीन शरीर के लिए उतना ही जरूरी है, जितना कार के लिए इंजन। यह सिर्फ एक मिथक है कि शाकाहारी लोगों में प्रोटीन की डेली जरूरत पूरी नहीं की जा सकती है। हालांकि, सिर्फ प्रोटीन पर फोकस करने की बजाय संतुलित और विविध आहार लेना ज्यादा जरूरी है, ताकि शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिल सकें।

नीरू ने एशियन गेम्स में ट्रैप शूटिंग गोल्ड जीता, महिलाओं के इवेंट में पहली भारतीय विजेता

सॉर्ट डेस्क। निशानेबाज नीरू ढांडा ने मंगलवार को एशियन गेम्स के महिलाओं के

नुकसान होगा। शूटिंग: पुरुष ट्रैप फाइनल में शपथ भारद्वाज-अब पुरुषों के ट्रैप फाइनल में भारत



ट्रैप इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। वह इस इवेंट में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। 26 साल की नीरू ने फाइनल में 30 में से 28 निशाने टारगेट पर लगाए। वे पहले स्थान पर रहीं। चीन की सन यूनोंग (26 अंक) दूसरे और कुवैत की हाजर अब्दुलमलिक (21 अंक) तीसरे नंबर पर रहीं। नीरू के अलावा, शपथ भारद्वाज पुरुषों के ट्रैप फाइनल में 10 शॉट के बाद बाहर हो गए। उन्होंने पहले 10 शॉट में 7 निशाने लगाए और आठवें स्थान पर रहे। भारत को विमेंस टीम इवेंट में सिल्वर मिला- भारतीय महिला टीम ने 328 अंक लेकर ट्रैप इवेंट में सिल्वर जीता। टीम में नीरू ढांडा, आशिमा अहलावत और मनीषा कीर शामिल रहीं। इस इवेंट में चीन ने 346 अंक के साथ गोल्ड और कुवैत ने 325 अंक के साथ ब्रॉन्ज जीता। भारत को 5वां गोल्ड मिला, शूटिंग में दूसरा-यह भारत का एशियन गेम्स 2026 में 5वां गोल्ड है। यह व्यक्तिगत स्पर्धा का पहला गोल्ड है। भारत के कुल पदक 47 हो गए हैं। इनमें 5 गोल्ड, 21 सिल्वर और 21 ब्रॉन्ज शामिल हैं। शूटर्स ने भारत को दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया है। इससे पहले एक गोल्ड, 8 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल दिला चुके हैं। शूटिंग में अब तक 14 मेडल आ चुके हैं। शूटिंग: शपथ भारद्वाज पुरुष ट्रैप फाइनल से बाहर- भारत के शपथ भारद्वाज पुरुषों के ट्रैप फाइनल में 10 शॉट के बाद बाहर हो गए। उन्होंने पहले 10 शॉट में 7 निशाने लगाए और आठवें स्थान पर रहे। 10 शॉट के बाद शपथ और अलीशेर ऐसलबायेव का स्कोर बराबर था। क्वालिफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के कारण शपथ टाई-ब्रेकर में बाहर हो गए। शूटिंग: पुरुष ट्रैप फाइनल में शपथ की

के शपथ भारद्वाज उतरेंगे। उन्होंने क्वालिफिकेशन में आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले महिला ट्रैप में नीरू ने क्वालिफिकेशन में पहले स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी और गोल्ड मेडल जीता। शपथ के लिए यह चुनौतीपूर्ण मुकाबला होगा, लेकिन भारत के पास शूटिंग में मेडल की संख्या बढ़ाने का एक और मौका है। बॉक्सिंग: नरेंद्र सेमीफाइनल हारे, ब्रॉन्ज मेडल जीता- भारत के नरेंद्र पुरुषों के लस 90 किग्रा वर्ग वेट सेमीफाइनल में कजाखस्तान के ऐबेक ओरलबाय से हार गए। ओरलबाय ने सर्वसम्मत फैसले से मुकाबला जीता और फाइनल में जगह बनाई। इस हार के साथ नरेंद्र ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। आखिरी राउंड में नरेंद्र ने ज्यादा पंच लगाए। ओरलबाय डिफेंस और पंच से बचने पर ध्यान दे रहे थे। राउंड में नरेंद्र को एक बार स्टैंडिंग काउंट भी मिला, लेकिन रेफरी ने मुकाबला जारी रखा। बॉक्सिंग: अंकुश पंचाल फाइनल में पहुंचे, वर्ल्ड चैंपियन को हराया- भारत के अंकुश पंचाल ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में वर्ल्ड चैंपियन फजलिद्दीन एरकिनबोएव को 4-1 से हरा दिया। उन्होंने फाइनल में जगह बना ली और भारत का एक और मेडल पक्का किया। अंकुश ने तीसरा राउंड 5-0 से जीता। इसके दम पर उन्होंने मुकाबला

नीरू कोई शॉट मिस नहीं करती हैं, तो वह शीर्ष स्थान से नहीं हटेंगी। बॉक्सिंग: परवीन हुद्दा फाइनल में पहुंचीं, शू ली को 5-0 से हराया- भारत की परवीन हुद्दा ने महिला 65 किग्रा के सेमीफाइनल में चीन की शू ली को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। सभी जजों ने परवीन के पक्ष में फैसला दिया। अब फाइनल में परवीन का सामना चीनी ताइपे की चैन निएन-चिन से होगा। परवीन का सिल्वर मेडल पक्का हो गया है और अब गोल्ड के लिए मुकाबला होगा। तीरंदाजी: कीर्ति और कुमकुम राउंड ऑफ-16 में- भारत की कीर्ति और कुमकुम मोहोड़ ने महिला रिकर्व इंडिविजुअल के राउंड ऑफ-32 में जीत दर्ज कर अगले राउंड में जगह बना ली। कीर्ति ने वियतनाम की फुओंग थाओ होआंग को 7-3 से हराया, जबकि कुमकुम ने मंगोलिया की उरांगुलाग बिशिंडी को 6-0 से मात दी। अब राउंड ऑफ-16 में कुमकुम का सामना बांग्लादेश की साइमा सलाहुद्दीन से होगा। वहीं, कीर्ति की टक्कर दक्षिण कोरिया की टोंग सीड कांग चे-यंग से होगी। उनका मुकाबला आज सुबह 10:25 बजे है। टेनिस: दक्षिणेश्वर सुरेश मेंस सिंगल्स के दूसरे राउंड में- भारत के दक्षिणेश्वर सुरेश पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। अब उनका सामना इंडोनेशिया के गुनावान त्रिस्मुवतारा से हो रहा है। वहीं, सुमित नागल का पहले राउंड का मुकाबला बारिश के कारण देर से शुरू हुआ। स्क्वाश: भारत ने ईरान को 3-0 से हराया, थूप में सभी मैच जीते- भारत की जोशना चिनप्पा ने ईरान की

4, 11-7 से मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने ईरान पर 2-0 की बढ़त बना ली है। अब जोशना चिनप्पा का मुकाबला नजमेह बौशहरिजादेह से होगा। जोशना की जीत के साथ भारत ईरान के खिलाफ क्लीन स्वीप कर देगा। साइक्लिंग: महिला टीम स्प्रिट क्वालिफाइंग में भारत छोटे स्थान पर- भारत की सेलेस्टिना, सरिता कुमारी और कीर्ति रंगास्वामी चिक्का ने महिला टीम स्प्रिट वेट्स सिल्वर मेडल पक्का हो गया है और अब गोल्ड के लिए मुकाबला होगा। चीन से भारत 3.742 सेकंड पीछे रहा। क्वालिफाइंग का इस्तेमाल अगले राउंड की सीडिंग तय करने के लिए होता है। छोटे स्थान पर रहने के कारण भारत का सामना पहले हीट में चौथे स्थान वाली चीनी ताइपे से होगा। मुकाबला आज सुबह 11:30 बजे होगा। कुराश: विपिन कुमार राउंड ऑफ-16 में हारे- भारत के विपिन कुमार पुरुषों के 66 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ-16 में दक्षिण कोरिया के यून ह्योनसू से 0-3 से हार गए। विपिन को चाला के जरिए 2 अंक का नुकसान हुआ। चाला कुराश में एक बैसिक शो है। हालांकि, स्कोरिंग साइट के अनुसार विपिन ने भी एक शो से अंक हासिल किया था। तीरंदाजी: नीरज ने 3 बार के वर्ल्ड चैंपियन को हराया, धीरज भी टॉप-8 में भारत के धीरज बोम्मेदेवरा और नीरज दोनों ने पुरुष रिकर्व इंडिविजुअल के राउंड ऑफ-16 में जीत दर्ज कर क्वाटरफाइनल में जगह बना ली। धीरज ने चीन के ताइपे के चेग ह्सियांग-हुई को 6-2 से हराया। अब क्वाटरफाइनल में



नजमेह बौशहरिजादेह को 3-0 से हराया। जोशना ने 11-1, 11-3, 11-9 से मुकाबला जीता। इस जीत के साथ भारत ने ईरान पर 3-0 से क्लीन स्वीप किया। भारत ने थूप स्ट्रेज के अपने तीनों मुकाबले जीत लिए हैं। अब भारत का क्वाटर फाइनल में सामना कल सिंगापुर से होगा। शूटिंग: भारत ने महिला ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर जीता- भारत की नीरू, आशिमा अहलावत और मनीषा कीर की टीम ने महिला ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। भारत ने 328 अंक हासिल किए, जबकि चीन ने 346 अंक के साथ गोल्ड और कुवैत ने 325 अंक के साथ ब्रॉन्ज जीता। आशिमा ने 125 में से 106 और मनीषा ने 104 अंक बनाए। नीरू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 118 अंक हासिल किए और भारत को कुवैत से आगे रखने में अहम भूमिका निभाई। नीरू व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन में कतर की रेय बासिल के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहीं। अब वह कुछ घंटे बाद व्यक्तिगत फाइनल में उतरेंगी। स्क्वाश: भारत ने ईरान पर 2-0 की बढ़त बनाई- भारत की अनाहत सिंह ने महिला टीम इवेंट के पूल मुकाबले में ईरान की फेरिश्तेह एस्तेदारी को 3-0 से हराया। अनाहत ने 11-5, 11-

उनका सामना उज्बेकिस्तान के अमिरखोन सादिकोव से 3 अक्टूबर को होगा। नीरज ने साउथ कोरिया के ओलिंपिक मेडलिस्ट और 3 बार के वर्ल्ड चैंपियन किम जे डियोक को रोमांचक मुकाबले में हराया। नीरज ने 3-1 की बढ़त बनाई, लेकिन किम ने वापसी कर स्कोर 3-3 कर दिया। एक सेट टाई रहा और स्कोर 4-4 हो गया। निर्णायक सेट नीरज ने जीतकर क्वाटर फाइनल में जगह बनाई। अब नीरज का सामना क्वाटरफाइनल में भूटान के दोरजी लाम से होगा। स्र्फिंग: किशोर कुमार अनबरासु क्वाटर फाइनल में हारे, भारत का अभियान खत्म- भारत के किशोर कुमार अनबरासु पुरुषों के शॉर्टबोर्ड क्वाटरफाइनल में फिलीपींस के टोबी एस्पेजोन से हार गए। इसके साथ ही एशियन गेम्स 2026 में भारत का सर्फिंग अभियान खत्म हो गया। किशोर ने आठ वेव में 3.00 और 2.37 के अपने दो सबसे अच्छे स्कोर बनाए। उनका कुल स्कोर 5.37 रहा, जबकि टोबी ने 8.53 स्कोर कर जीत दर्ज की। भारत के बाकी सर्फिंग खिलाड़ियों की तुलना में किशोर ने बेहतर प्रदर्शन किया और क्वाटरफाइनल तक पहुंचे।



जीत के बाद भारत के कोचिंग स्टाफ के साथ परवीन हुद्दा

धीमी शुरुआत- भारत के शपथ भारद्वाज ने पुरुषों के ट्रैप फाइनल की शुरुआत 3/5 के स्कोर के साथ की। यह पहले सीरीज के बाद सबसे कम स्कोर है। फाइनल में 10 और 15 शॉट के बाद दो-दो निशानेबाज बाहर होंगे। बराबरी की स्थिति में क्वालिफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के कारण शपथ को

4-1 से अपने नाम किया। उन्होंने वर्ल्ड चैंपियन वेंग खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। शूटिंग: महिला ट्रैप फाइनल में नीरू की शानदार शुरुआत- भारत की नीरू ने महिला ट्रैप फाइनल में शानदार शुरुआत की है। उन्होंने अपने शुरुआती पांचों शॉट निशाने पर लगाए। अभी मुकाबले में काफी शूटिंग बाकी है। अगर

डिजाइनर फूड का काम किसी के भी मुंह में कुछ महसूस कराना है

हाल ही में मुंबई के पास कर्जत में अपनी दोस्त ममता शर्मा के फार्म हाउस की यात्रा के दौरान मैंने देखा कि उनका कुक स्टाइलिश तरीके से खाना बना रहा था। उसने धोया हुआ पालक का पत्ता उठाकर मुझे व दूसरे मेहमानों को दिखाया कि वह उसे बेसन के घोल में डूबोने से पहले कितनी सावधानी से साफ करता है। फिर उसने उसे खौलते तेल की कड़ाही में बड़े करीने से उतारा। वह सुनहरा पीला होने लगा, लेकिन उसका थोड़ा-सा हरा हिस्सा अब भी दिख रहा था- मानो किसी महिला के स्वीवलेस ब्लाउज से उसकी पतली बांहें दिख रही हों। जैसे ही पत्ता फ्राई हुआ, कुक उसे सजाने लगा। इस पर एक छोटा चम्मच दही डालते हुए वह एक दूसरी महिला गेस्ट से बोला कि 'मैडम जी, यह आपके मुंह में आइसक्रीम की तरह पिघल जाएगा।' फिर उसने उस पर गाढ़ी-सी हरी और मीठी चटनी रंगोली की तरह सजाई। इसके बाद अनार के दाने ऐसे डाले, जैसे पत्ते को लाल ज्वेलरी पहना रहा हो। सुनहरा-पीला घोल, जिसमें से थोड़ा हरा हिस्सा भी दिख रहा था, उस पर सफेद दही और फिर हरे-भूरे रंग की चटनी- इसे देखकर मेरा मुंह खुला ही रह गया। वह सजी-धजी फ्राइड-लीफ को पेपर प्लेट पर रखता, उससे पहले ही हमारे मुंह में पानी आने लगा। और जैसे ही आप पूरा पत्ता मुंह में रखो, कुछ होने लगता है। हमने आंखें बंद कर लीं और बस उस पल का आनंद लेने लगे। वहां खड़े-खड़े हमें पता ही नहीं चला कि हमने कितनी फ्राइड पालक



का मैजिक है। बात अब सिर्फ यह नहीं कि आपके मुंह में क्या जा रहा है, बल्कि यह है कि आपके मुंह के भीतर क्या हो रहा है। अभी गणेश पंडालों में या नवरात्र में गरबा ग्राउंड जाने पर हमारा बाहर खाना बढ़ जाएगा। हम ऐसे खाने की ओर आकर्षित होंगे, जो तोड़ने, खींचने के लिए डिजाइन हो या ऊजी

दिखे। ऐसे फूड इसलिए ध्यान खींच रहे हैं, क्योंकि टेक्सचर सिर्फ स्वाद के जरिए नहीं, बल्कि देखने में भी खाने के मजे का एहसास करा सकता है। तो नए

टेक्सचर अब कॉम्लीमेंट्री फीचर से फूड क्वालिटी बताने वाला पहलू बन गया है। समोसे के टूटने से लेकर पानीपूरी के फूटने तक, कुनाला के चटकने से लेकर कुकी से स्फटिक के रिसने तक और आइसक्रीम में क्रंच से क्रीम तक का स्वाद-ये सब हमें ज्यादा खाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। टेक्सचर खाने का इतना अभिन्न हिस्सा है कि जब लोगों से पूछा जाता है कि खाने का स्वाद कैसा है तो वे अकसर बताते हैं कि वह कैसा महसूस होता है। मेरी तरह मेहमानों के वो रिएक्शन याद कीजिए, जब मैंने ममता से कहा कि 'वाह, पत्ता क्रिसपियर और कलरफुल था।' तीन साल पहले इस्तांबुल की यात्रा में मैंने स्ट्रेची आइसक्रीम चखी और आज भी मुझे उसके स्वाद से ज्यादा यह याद है कि जब मैंने उसे होंठ और दांतों से खींचा तो कैसा लगा था। तब से टेक्सचर में दिलचस्पी काफी बढ़ गई है।

यहां तक कि ऐसे साधारण-से क्रोइसा में भी, जिसमें इतना बटर भरा जाता है कि वह बाहर बह निकले। दुबई में चॉकलेट एंड साउंड जैसे फेस्टिवल होते हैं, जहां टेक्सचर का उस व्यक्ति को दिखाई और सुनाई देना जरूरी है, जो आपको खाते हुए देख रहा है। फंडा यह है कि 'एटीएटीए फॉर्मूला इस्तेमाल करने वाले वेंडर्स हमें आकर्षित कर रहे हैं। इसमें ए-अट्रैक्शन, टी- टेक्सचर, ए-अरोमा, टी- टेस्ट और ए का मतलब है- आपटर टेस्ट, यानी वह याद जो आप घर वापस लेकर जाते हैं। एन. रघुरामन

दिल की बीमारियों के उजागर हो जाने की राह मत देखिए

पहले यह धारणा आम हुआ करती थी कि हृदय रोग की बीमारी अंधेड़ उम्र के बाद ही शुरू होती है। लेकिन अब यह सोच हकीकत से तेजी से दूर होती जा रही है। सच्चाई तो यह है कि कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां अकसर उम्र की तीसरी या चौथी दहाई के लोगों को प्रभावित करती हैं, जो अपने निजी और पेशेवर जीवन के सबसे सक्रिय दौर में होते हैं।

मुझे चिंता सिर्फ इस बात की नहीं है कि कितने कम उम्र के मरीज हमारे पास आ रहे हैं, बल्कि इस बात की भी है कि रिस्क फैक्टर्स को कितने लंबे समय तक अनदेखा किया जाता है। हाई ब्लडप्रेसर, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल का असामान्य स्तर और मोटापा वर्षों तक हृदय रोग का खतरा बढ़ाते रह सकते हैं, लेकिन इनके कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। जब तक किसी कार्डियक समस्या का सामना करना पड़ता है, बचाव का मौका पहले ही हाथ से निकल चुका होता है। भारतीयों की बदलती जीवनशैली भी इस पूरी तस्वीर का एक अहम हिस्सा है। लंबे समय तक बैठकर रहने, शारीरिक गतिविधियों की कमी, अनियमित नींद, प्रोसेस्ड फूड का बढ़ता सेवन और तंबाकू का इस्तेमाल- ये सब मिलकर ऐसे जोखिम पैदा कर रहे हैं, जिन्हें युवा आबादी नजरअंदाज नहीं कर सकती। तनाव भी आधुनिक जीवन की एक हकीकत है, खासकर युवा पेशेवरों के लिए, और स्वास्थ्य के प्रति व्यापक नजरिए में इस

पर भी ध्यान देना होगा। प्रिवेंशन पर आधारित हेल्थकेयर को हमारी स्वास्थ्य-व्यवस्था का नियमित हिस्सा बनाना जरूरी

को बीच-बीच में उठकर चलने-फिरने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, नियमित जांच की सुविधा दे सकते हैं और स्वस्थ



है। युवाओं को अपने रक्तचाप, ब्लड शुगर या कोलेस्ट्रॉल की जांच कराने के लिए लक्षणों के बारे में भी अधिक जागरूक होने की जरूरत है। सीने में बेचैनी, सांस फूलना, बिना किसी वजह के पसीना आना, मितली, चक्कर आना या हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक फैलने वाली बेचैनी आदि सिम्पटम्स को कभी भी मामूली समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हृदय संबंधी आपात स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता मिलना जीवन बचा सकता है। प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी यानी रोकथाम पर आधारित चिकित्सा में हुई प्रगति से अब हृदय रोग के खतरे की पहचान

विकल्पों को अधिक आसानी से उपलब्ध करा सकते हैं। लोगों को हृदय रोग के लक्षणों के बारे में भी अधिक जागरूक होने की जरूरत है। सीने में बेचैनी, सांस फूलना, बिना किसी वजह के पसीना आना, मितली, चक्कर आना या हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक फैलने वाली बेचैनी आदि सिम्पटम्स को कभी भी मामूली समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हृदय संबंधी आपात स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता मिलना जीवन बचा सकता है। प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी यानी रोकथाम पर आधारित चिकित्सा में हुई प्रगति से अब हृदय रोग के खतरे की पहचान

पहले ही करना संभव हो रहा है- अकसर लक्षण दिखाई देने से भी पहले। इससे डॉक्टरों को बीमारी के गंभीर या आपात स्थिति में बदलने से पहले ही जरूरी कदम उठाने का मौका मिलता है। कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ के क्षेत्र में हमारी अगली बड़ी उपलब्धि रोकथाम ही होनी चाहिए। हमें जोखिम की पहचान पहले करनी होगी, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना होगा और नियमित हेल्थकेयर का हिस्सा बनाकर बचाव संबंधी जांचों को आम बनाना होगा। परिवारों, स्कूलों, कार्यस्थलों और स्वास्थ्य व्यवस्था- सभी के लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि हमारे हृदय की सेहत पहली बार लक्षण सामने आने से बहुत पहले ही प्रभावित होने लगती है। युवा भारत को हृदय-रोग के बारे में केवल तभी नहीं जानना चाहिए, जब उसे खुद किसी गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़े। अगर हम समय रहते कदम उठाएं, तो बीमारी के दुष्परिणामों से निपटने के बजाय उसके पुरे क्रम को ही बदल सकते हैं। इसलिए सवाल यह नहीं है कि कम उम्र के भारतीयों को हृदय रोग का खतरा है या नहीं। सवाल यह है कि क्या हम इस खतरे को इतना पहले पहचानने के लिए तैयार हैं कि उसके बारे में कुछ किया जा सके? आज सवाल यह नहीं है कि युवा भारतीयों को हृदय रोग का खतरा है या नहीं। वह तो स्पष्टतया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम इस खतरे को इतना पहले पहचानने के लिए तैयार हैं कि उसके बारे में कुछ किया जा सके? (ये लेखक के अपने विचार हैं, डॉ. नरेश त्रेहन)

क्या होगा जब एआई हमारी 'इजाजत' लेना बंद कर देगा?

एक दृश्य की कल्पना करें। कोई कंपनी अपनी टीम को एक कठिन टास्क देती है। फिर हर सदस्य को अलग-अलग कमरों में बंद कर देती है और उनसे कहती है कि समस्या का

को- जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते थे- सार्वजनिक बुलेटिन बोर्ड में बदल दिया था। लगभग इसी दौरान एंथ्रोपिक और मेटा ने भी अलग-अलग घटनाओं का खुलासा किया, जिनमें

दीजिए कि वह रास्ते में आने वाली हर उस चीज को हटा सके, जो उसकी रफ्तार कम करती है- ट्रैफिक लाइटें, टोल बुथ, दूसरी गाड़ियां, तो मंजिल तक पहुंचने के लिए नेविगेटर



समाधान खोजें। लेकिन किसी तरह वे आपस में बात करने का रास्ता खोज लेते हैं और एक-दूसरे से अपने सुझाव साझा करने लगते हैं। उनमें से कुछ खुद को अधिक निष्ठावान दिखाने के लिए दूसरी कंपनी के कंप्यूटरों में संध भी लगा देते हैं। अब इस दृश्य में कर्मचारियों की जगह एआई को रख दीजिए। लास वेगास में हुई ब्लैक हैट साइबर सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में ओपनएआई के रिसर्चरों ने कुछ ऐसी ही कहानी सुनाई थी। मई में एक ऑनरिक्त मूल्यांकन के दौरान एआई एजेंट्स को कठिन साइबर-सुरक्षा कार्य दिए गए थे। इन एजेंट्स ने दूसरे एजेंट्स को खोज निकाला। इसके बाद जो हुआ, वह टीमवर्क था। अलग-अलग सेशन में रन कर रहे इन एजेंट्स ने एक-दूसरे से अपने फीडबैक साझा किया। काम बांट आकर किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम करने वाले सहकर्मियों की तरह समन्वय किया। जुलाई का मध्य आते-आते तो संधमारी की स्थिति बन चुकी थी। एजेंट्स ने ओपन इंटरनेट तक पहुंच बनाई और एक प्रमुख एआई प्लेटफॉर्म हंगिंग फेस के सिस्टम में प्रवेश कर गए। ओपनएआई ने इसे एक खतरा और चेतावनी माना है। लेकिन यह इस तरह की अकेली घटना नहीं थी। इसी साल का एक और मामला सामने आया, जिसे लोगों से छुपाया गया था। इसमें एजेंट्स ने जर्मन भाषा की ऐसी प्रोग्रामिंग विकी

परीक्षण के दौरान उनके अपने मॉडल लाइव इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम कर रहे थे। चीजें अब काबू के बाहर होने लगी थीं। इसी पृष्ठभूमि में गत 8 सितम्बर को ओपनएआई और एंथ्रोपिक में तीन वर्षों तक प्री-ट्रेनिंग रिसर्च पर काम करने वाले जैकब कॉक्सन ने एंथ्रोपिक से अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। उन्होंने लिखा कि दोनों में से कोई भी कंपनी जिम्मेदारी से काम नहीं कर रही थी; दोनों ऐसी सुपरइंटेलिजेंस की ओर दौड़ रही थीं, जो खुद को बेहतर बनाने में सक्षम होंगी और- उनके शब्दों में- 'वे हमारी जिंदगियों के साथ जुड़ा खेल रही हैं।' कॉक्सन ने खुद उन सिस्टम्स को बनाने में योगदान दिया है, जिनके बारे में वे अब चेतावनी दे रहे हैं। साइंस फिक्शन ने हमें ऐसी मशीनों से डरना सिखाया है, जो चेतना हासिल कर लें और हमसे लड़ सकें। ओपनएआई को किसी नेटवर्क पर हमला करने के लिए न तो गुस्से की जरूरत है और न ही ज्यादा संसाधनों के लालच की। उसे बस एक लक्ष्य चाहिए, उस लक्ष्य को हासिल करने की पर्याप्त क्षमता चाहिए, और सुरक्षा-व्यवस्था में ऐसी खामी चाहिए, जिसका वह फायदा उठा सके। किसी जीपीएस सिस्टम को सबसे तेज रास्ता खोजने का निर्देश दीजिए, वह वैसा कर दिखाएगा। अब उसे इतनी ताकत

क्या-क्या कर सकता है? एआई में इस समय हो रहा असली बदलाव ऐसा ही है। बॉक इसलिए ईमानदार नहीं रहते कि उनके कर्मचारी चोरी न करने का वादा करते हैं, और हवाई यात्राएं इसलिए सुरक्षित नहीं हैं कि पायलट भरोसेमंद हैं। हम कई सेफ्टी-लेयर्स बनाते हैं : सीमित पहुंच, संवेदनशील एक्शन के लिए अनुमति, ऐसे रिकॉर्ड जिन्हें इसमें शामिल कोई व्यक्ति बदल न सके और डिजिटल फुटप्रिंट से पहले परीक्षण। एआई के साथ भी यही होना चाहिए। टेक-कंपनियां हमें भरोसा दिलाती रहती हैं कि हमेशा कोई ना कोई मनुष्य प्रक्रिया में शामिल होगा। लेकिन हंगिंग फेस में हुई संधमारी इस भरोसे की सीमाएं दिखाती है। एआई अब चैटबॉट्स से निकलकर बैंकिंग, हेल्थकेयर, एनर्जी ग्रिड और सरकारी सेवाओं में प्रवेश कर रहा है। इसे जिम्मेदारी से विकसित करने का मतलब है कि शक्ति और सीमाएं प्रवेश के यह जांचने से पहले नहीं कि पहले शक्ति दे दी जाए और बाद में सीमाएं तय की जाएं। अब सवाल यह नहीं रह गया है कि एआई सिस्टम्स कितने स्मार्ट हो सकते हैं। सवाल यह है कि किसी के यह जांचने से पहले कि वे अब भी हमारी सुनते हैं या नहीं, हम उन्हें कितनी ताकत सौंप चुके होंगे। हम इस बाणणा में गैर-जिम्मेदाराना रवैये का परिचय नहीं दे सकते (प्रोजेक्ट सिंडिकेट, तारिक मलिक)

उन पिताओं को सलाम, जिन्हें कभी रविवार की भी छुट्टी नहीं मिली!

'क्या तुमने कभी मेरे पिता को स्कूल में होने वाली पैरेंट्स-टीचर्स मीटिंग (पीटीएम) में आते देखा है? वे हमेशा दफ्तर में व्यस्त रहते थे और मेरे जीवन के उन महत्वपूर्ण पड़ावों में शामिल होने की उन्हें कभी फिक्र नहीं हुई। हमेशा मां ही आती थीं।' फिल्म 'लक्ष्य' में एक दृश्य है, जिसमें ऋतिक रोशन अपने बचपन के दोस्त से पिता की शिकायत कर रहे होते हैं। पिता उनके द्वारा चुने गए कॅरिअर को लेकर सख्त असहमति रखते हैं। लेकिन आज की कहानी उस हीरो की नहीं, बल्कि उन पिता की है, जिन्हें यह तक नहीं पता कि इतनी मेहनत करके अपने बच्चों का जीवन सुरक्षित करने के लिए भी उनकी आलोचना की जा रही है। यह उन पिताओं की कहानी है, जिन्होंने शायद ही कभी अपने बच्चों से 'आई लव यू' कहा हो, क्योंकि वे अपने प्यार को हकीकत में साबित करने में व्यस्त थे। यह उन पिताओं की कहानी है, जो अपने बच्चों को कभी गैरकॉम में बाहर घुमाने नहीं ले जा सके- पीटीएम

घर में भी कुछ ऐसा ही हुआ। बुरसी के छोटें भाई की बेटा मिनाखी ने भी इस साल नोट पास किया और पुरी के श्री जगन्नाथ मेडिकल कॉलेज एड हॉस्पिटल में दाखिला लिया। सात बच्चों के पिता बुरसी के लिए इनमें से कुछ भी आसानी से नहीं हुआ था। बुरसी जैसे पिताओं का सबसे बड़ा सपना बहुत सीधा-सरल होता है- वे चाहते हैं कि उनके बच्चे वैसी जिंदगी न जिए, जो उन्होंने जी है। मेरे बच्चों, हो सकता है कि कुछ पिताओं के पास तुम्हारे लिए अपना प्यार जताने का समय न रहा हो। जब तुम फॅशनबल कपड़े चाहते थे, तब शायद वे यह सोच रहे होते थे कि उन्हें खरीदने के लिए कुछ और रुपये कैसे कमाए जाएं। जब तुम बेहतर खाना चाहते थे, तब शायद वे सोच रहे होते थे कि एक दिन और कैसे काम किया जाए। जब तुम चैन की नींद सो रहे थे, तब शायद वे अगले दिन के खर्चों का हिसाब लगा रहे थे। वे तुम्हें अपना



में जाना तो दूर की बात है। क्योंकि उनके लिए काम से एक दिन की गैरहाजिरी का मतलब था पूरे परिवार के लिए एक दिन की आमदनी का नुकसान। उनके लिए रविवार जैसी कोई चीज नहीं थी। अगर आप सोच रहे हैं कि क्या आज भी इस दुनिया में ऐसे पिता मौजूद हैं, तो आइए, मैं आपका परिचय 73 वर्षीय बुरसी प्रधान और उन 62 वर्षीय पत्नी अनुसुया से कराता हूं। वे ओडिशा के एक दूरदराज गांव में एक जर्जर मकान में रहते हैं। बुरसी ने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा दिहाड़ी मजदूर के रूप में बिताया। काम की तलाश में वे केरल तक गए, क्योंकि उनके लिए एक दिन काम न करने का मतलब था परिवार का एक दिन भूखा रहना। जब खराब स्वास्थ्य ने उन्हें वापस गांव लौटने पर मजबूर कर दिया और पूरे परिवार की गुजर-बसर खेती से होने वाली आमदनी पर निर्भर हो गई, तब जाकर बुरसी को अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत का फल मिलना शुरू हुआ। बुरसी के बड़े बेटे बिभीषण ने 2021 में कोरापुट के श्री लक्ष्मण नायक मेडिकल कॉलेज एड हॉस्पिटल में दाखिला लिया। पिछले साल बेटा मोनालिसा भी उसी कॉलेज में पहुंच गई। इस साल बेटे असरिया और बेटा सुनेमी ने भी क्रमशः भवानीपटना और बलंगीर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एम्बीबीएस की सीट हासिल कर ली। उनके भाई के

समय इसलिए नहीं दे पाए, क्योंकि वे तुम्हें एक बेहतर जिंदगी देने की कोशिश में व्यस्त थे। इसीलिए जब वे तुम्हारे लिए नए कपड़े लेकर आए, तो उनसे यह भी पूछे कि उन्होंने अपने लिए क्या खरीदा। जब तुम उस पिज्जा का मजा ले रहे हो, जिसके लिए उन्होंने अपना क्रेडिट कार्ड स्वाइप किया है, तो इस बात पर भी ध्यान दो कि वे खुद क्या खा रहे हैं। और जब वे रात में बिस्तर पर बेचैनी से करवटें बदल रहे हों, तो जाकर उनके पैर दबा आओ। उनसे कहो कि तुम उनके साथ हो और एक परिवार के रूप में हम इस मुश्किल दौर से भी पार निकल जाएंगे। फिर देखना, वे कितने सुकून से सोते हैं। ओडिशा के दूरदराज गांव के बुरसी की कहानी ने मुझे उन गलत समझे गए पिताओं की याद दिला दी, जो मुंबई, दिल्ली और दूसरी जगहों पर साल के 365 दिन काम करते हैं, ताकि उनके 'घर' की नैया पार हो जाए। फंडा यह है कि ज्यादातर घरों में पिता शायद ही कभी कहते हैं, 'तुमसे प्यार करता हूं।' और शायद पितृत्व की यही सबसे खूबसूरत परिभाषा है कि एक व्यक्ति चुपचाप कठिन जिंदगी को स्वीकार कर ले, ताकि उसके बच्चे थोड़ी आसानी जिंदगी जी सकें। मैं अनुरोध करूंगा कि ऐसे पिताओं को सलाम कीजिए। एन. रघुरामन

'काम नहीं, तो वोट नहीं' का सिद्धांत अपनाएं तो क्या होगा?

हाल ही में मध्य प्रदेश के गुना में एक नागरिक ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से एक सड़क के लम्बित कार्य को लेकर शिकायत की। उसका दोस्तक संदेश था : सड़क

चुनाव के समय राजनेता भी नागरिक के सामने इसी शैली में आते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर मतदाता यह सिद्धांत अपना लें कि काम नहीं, तो वोट नहीं, तो क्या होगा? गुस्से भरे



बनवाइए, वरना हम आपको वोट नहीं देंगे। मांग रखे जाने के इस तरीके पर सिंधिया आपत्ति जताते दिखाई देते हैं और नागरिक से कहते हैं कि धमकी देने के बजाय अनुरोध करें। लेकिन इसके बाद सड़क के लिए करीब 3 करोड़ रुपये की राशि मंजूर कर दी जाती है और जरूरी प्रक्रिया को भी तेजी से पूरा करने के निर्देश दे दिए जाते हैं। सिंधिया लंबे समय से मेरे मित्र हैं। वे एक भले व्यक्ति और सक्षम मंत्री हैं। इसलिए यह घटना उनके बारे में नहीं, बल्कि इससे मिलने वाले सबक के बारे में हैं। हमें यह सरल निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि नागरिक की धमकी की वजह से सड़क का काम मंजूर हुआ। दरअसल, खबरों की माने तो इसकी डीपीआर पहले ही तैयार हो चुकी थी। सिंधिया की मंशा पर सवाल उठाने का कोई आधार नहीं हो सकता। लेकिन यह घटना लोकतंत्र की एक बुनियादी बात को सामने लाती है : मतदाता याचक नहीं होता, और सड़क आदि सुविधाएं उपलब्ध कराकर नेता भी नागरिक पर कोई उपकार नहीं कर रहे होते हैं। सड़कों का निर्माण सार्वजनिक धन से किया जाता है, जिसके संग्रह का स्रोत भी नागरिक ही है। निर्वाचित प्रतिनिधि जनता के धन और जनहित के बीच एक माध्यम है। इसलिए यह रिश्ता अनुकम्पा नहीं, उत्तरदायित्व का होना चाहिए। लेकिन समय के साथ हमने जाने कैसे ऐसी राजनीतिक संस्कृति बना डाली है, जिसमें नागरिक अकसर याचक की मुद्रा में राजनेता के पास पहुंचता है।

नारे के रूप में नहीं, धमकी के रूप में भी नहीं, बल्कि यह जवाबदेही तय करने का एक संवैधानिक लोकतांत्रिक माध्यम हो। अलबत्ता शोध बताते हैं कि भारतीय मतदाताओं ने हमेशा ही इस तरह का व्यवहार नहीं किया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई गई करीब 1.8 लाख ग्रामीण सड़कों का अध्ययन करने वाले एक बड़े शोध में पाया गया कि सड़कों के निर्माण से सत्तारूढ़ दल को अधिक चुनावी समर्थन नहीं मिला। सड़कें ऐसी सार्वजनिक सुविधाएं हैं, जो साफ दिखाई देती हैं और महत्वपूर्ण भी हैं, फिर भी उन्हें उपलब्ध कराने से चुनावी जीत की वह गारंटी नहीं मिली, जिसका उम्मीदवार लोकतांत्रिक सिद्धांत के आधार पर की जा सकती है। ऐसा क्यों है? इसका जवाब सिर्फ यह नहीं हो सकता कि भारत के लोग आसानी से बहकावे में आ जाने वाले हैं। ऐसा कहना न केवल उनके लिए अपमानजनक, बल्कि गलत भी होगा। भारतीय मतदाता जटिल राजनीतिक गणनाएं करने में पूरी तरह सक्षम हैं। वे अकसर सत्ता-परिवर्तन करके सरकारों को दंडित करते हैं। समस्या यह है कि राजनीति में प्रदर्शन केवल एक कसौटी है, जिसके आधार पर मतदाता फैसला करते हैं। पहचान दूसरी कसौटी है। जाति मायने रखती है। धर्म मायने रखता है। समुदाय के प्रति निष्ठा मायने रखती है। राष्ट्रीय नेतृत्व मायने रखता है। कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मायने रखता है। राजनीतिक नैरेटिव मायने रखते हैं।

भावनात्मक मुद्दे मायने रखते हैं। और जब चुनाव पहचान और नैरेटिव के बीच मुकाबला बन जाए, तो घर के बाहर मौजूद खस्ताहाल सड़क अजीब तरह से मतपेटी से गायब हो सकती



है। यही भारतीय मतदाता का बड़ा विरोधाभास है। एक नागरिक के रूप में तो हम जमकर शिकायतें करते हैं, लेकिन मतदाता के रूप में बहुधा अलग तरह से वोट देते हैं। हम सड़क के गड्ढों को कोस सकते हैं, लेकिन सड़कें हमें अजीब अलग मुद्दे पर वोट दे आ सकते हैं। हम प्रदूषण, भ्रष्टाचार या बदहाल नागरिक सुविधाओं पर घंटों चर्चा कर सकते हैं और फिर चुनावी बहस को ऐसे मुद्दों के अधिक चुनावी समर्थन नहीं मिला। सड़कें ऐसी सार्वजनिक सुविधाएं हैं, जो साफ दिखाई देती हैं और महत्वपूर्ण भी हैं, फिर भी उन्हें उपलब्ध कराने से चुनावी जीत की वह गारंटी नहीं मिली, जिसका उम्मीदवार लोकतांत्रिक सिद्धांत के आधार पर की जा सकती है। ऐसा क्यों है? इसका जवाब सिर्फ यह नहीं हो सकता कि भारत के लोग आसानी से बहकावे में आ जाने वाले हैं। ऐसा कहना न केवल उनके लिए अपमानजनक, बल्कि गलत भी होगा। भारतीय मतदाता जटिल राजनीतिक गणनाएं करने में पूरी तरह सक्षम हैं। वे अकसर सत्ता-परिवर्तन करके सरकारों को दंडित करते हैं। समस्या यह है कि राजनीति में प्रदर्शन केवल एक कसौटी है, जिसके आधार पर मतदाता फैसला करते हैं। पहचान दूसरी कसौटी है। जाति मायने रखती है। धर्म मायने रखता है। समुदाय के प्रति निष्ठा मायने रखती है। राष्ट्रीय नेतृत्व मायने रखता है। कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मायने रखता है। राजनीतिक नैरेटिव मायने रखते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के डेढ़ साल बाद पाक पहुंचे भारतीय अधिकारी, एससीओ की बैठक में शामिल हुए,पीएम मोदी को न्योता दे सकता है इस्लामाबाद

इस्लामाबाद।एससीओ का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच सुरक्षा, आर्थिक और राजनीतिक



सहयोग को बढ़ाना है। संगठन आतंकवाद, उग्रवाद, ड्रग तस्करी और साइबर अपराध जैसे मुद्दों पर साझा रणनीति बनाता है। 2027 के लिए एससीओ की अध्यक्षता कर रहा पाकिस्तान:-पाकिस्तान 2026-27 के लिए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की अध्यक्षता कर रहा है। इसी वेग तहत इस्लामाबाद में सोमवार से बुधवार तक सदस्य देशों के राष्ट्रीय समन्वयकों की बैठक हो रही है।पाकिस्तान के एससीओ कोऑर्डिनेटर डॉ. एम. फ़ैसल की अध्यक्षता में हो रही इस बैठक में संगठन के कार्यक्रमों, आगामी बैठकों की तैयारियों और सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। पाकिस्तान ने एससीओ की अध्यक्षता के लिए 'विजन को काम में बदलना:

कनेक्टिविटी, नई तकनीक और साझा समृद्धि' थीम रखी है। इसमें सदस्य देशों के बीच संपर्क

बढ़ाने, नई तकनीक और आर्थिक विकास पर जोर दिया जाएगा। पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर किया:- 7 मई 2025 को भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारत ने कहा था कि इस कार्रवाई का मकसद आतंकवादी संगठनों के ठिकानों को नष्ट करना था। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव बढ़ गया। दोनों देशों ने एक-दूसरे के खिलाफ ड्रोन, मिसाइल और हवाई हमलों की कार्रवाई की। 10 मई 2025 को दोनों देश सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमत हुए।

नेपाल में पहाड़ टूटकर नदी में गिरा,रास्ते पर गाद/मलबा भरा, इलाके में बाढ़-भूस्खलन से 14 की मौत

काठमांडू। नेपाल के मुस्तांग जिले में रविवार को भारी बारिश के बीच पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा टूटकर कालीगंडकी नदी में जा गिरा। देखते-देखते नदी का रास्ता मलबे से भर गया। वायरल वीडियो में चट्टानों और मिट्टी का पूरा मलबा कुछ ही



सेकेंड में ढलान से नीचे आता दिख रहा है। इलाके में बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। इधर, बाढ़ का पानी बढ़ने से नारायण नदी में बंधे एक क्रूज शिप की रस्सी टूट गई। इसके बाद जहाज करीब 100 मीटर तक नदी के बहाव के साथ बहता हुआ चला गया और पुल के पिलर से टकरा गया। नेपाल 1 महीने में दूसरी बार भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में बाढ़ आई थी। इसमें 1453 लोगों की मौत हुई, जबकि 5500 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। 24 घंटों में बाढ़, भूस्खलन से जुड़े 272 हादसे हुए:-राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन

भूस्खलन की 97 घटनाएं हुई हैं। इनमें 19 लोगों की मौत हुई, 4 लोग लापता हैं और 4 घायल हुए हैं। चितवन में दो नदियां खतरे के निशान से ऊपर:-चितवन जिले में रविवार सुबह नारायणी नदी और रिउ नदी खतरे के निशान से ऊपर बहने लगीं। देवघाट में नारायणी नदी का जलस्तर 9.23 मीटर पहुंच गया, जबकि खतरे का निशान 9 मीटर है। रिउ नदी का जलस्तर भी 3.92 मीटर तक पहुंच गया। यहां खतरे का निशान 3.8 मीटर है। भारी बारिश के कारण चितवन में कई जगह भूस्खलन और मिट्टी धंसने की घटनाएं हुईं। इससे सड़कें बंद हो गईं। कर्णाली प्रांत में भी भूस्खलन के कारण हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ है।

पूर्व आईएस दिव्या मित्तल की यूपी की राजनीति में एंट्री:बोलीं- डरूंगी नहीं, हिसाब मांगूंगी, किसी पार्टी का नहीं, आपका साथ चाहिए

लखनऊ। यूपी की पूर्व आईएस दिव्या मित्तल राजनीति में उतरींगी। उन्होंने मंगलवार सुबह 8.30 बजे फेसबुक पर वीडियो जारी करके इसका खुलासा किया। उन्होंने कहा- यूपी में ही रहूंगी। डरूंगी नहीं, सवाल करूंगी। मुझे पैसा और बाहुबल नहीं चाहिए। सिर्फ आप लोगों का साथ चाहिए। उन्होंने कहा- 'मैं किसी पार्टी के साथ नहीं जुड़ूंगी। अकेले चलूंगी। मेरा मकसद राजनेता बदलना नहीं, बल्कि पूरी राजनीति को बदलना है। हमारी राजनीति में सत्ता है, शिलान्यास है, शोर है, लेकिन सोच नहीं है। मुझे अपने देश की आजादी के 80 सालों का हिसाब चाहिए।' 2013 बैच की आईएस रहई दिव्या ने 30 अगस्त को नौकरी से इस्तीफा दे दिया था। 14 सितंबर को उनका इस्तीफा मंजूर हो गया था। तभी से उनके फ़्यूचर प्लान को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। दिव्या ने आईआईटी दिल्ली से बीटेक और आईआईएम बंगलुरु से एमबीए करने के बाद लंदन में लाखों के पैकेज वाली नौकरी की थी। एक्सपर्ट बोले- मिर्जापुर से लड़ सकती हैं विधानसभा चुनाव:-पॉलिटिकल एक्सपर्ट कहते हैं- दिव्या मित्तल ने जिस तरह की सज्जियाओं का जिक्र किया है, उनका समाधान विधायक के रूप में रहकर ही करा सकती हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि वह विधानसभा चुनाव लड़ सकती हैं। वह अक्सर मिर्जापुर जाती हैं। मां विध्यावासिनी के दर्शन करती हैं। ऐसे में यह भी माना जा रहा है कि अगर वह मिर्जापुर को अपनी राजनीतिक कर्मभूमि बनाती हैं तो यहीं से विधानसभा चुनाव लड़ सकती हैं। उन्हें सपा का समर्थन भी मिल सकता है। अगर वह सपा हूआ तो वह अपना दल (एस) की अध्यक्ष और केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल के लिए चुनौती बन सकती हैं। अनुप्रिया पटेल का मुकाबला करने के लिए भाजपा का एक बड़ा वर्ग भी पर्दे के पीछे से दिव्या को समर्थन कर सकता है। अगर वह विधानसभा चुनाव जीतती हैं, तो आगे चलकर 2029 के लोकसभा चुनाव में भी किस्मत आजमा सकती हैं। राजनीति में एंट्री का एलान कर दिव्या ने क्या कहा? मैंने कुछ दिन पहले आईएस से त्यागपत्र दिया और आपके मन में कई सवाल छोड़ दिए। कुछ दिनों तक जवाब नहीं दिया, क्योंकि काम बढ़ा था और मैं हौसला जुटा रही थी, लेकिन आज सवालों के जवाब देने आई हूं। लोगों ने मुझे पूछा, सब कुछ तो बन गई, अब और क्या करना है? मेरा जवाब है- राजनीति करूंगी। मुझे उन लोगों की आवाज बनना है, जिनकी आवाज किसी दफ्तर

तक नहीं पहुंच पाती और अगर पहुंच भी जाए तो सुनी नहीं जाती। एक बार मैं लहुरियादह की पहाड़ी पर पानी पहुंचाने के लिए निरीक्षण कर रही थी, तभी एक महिला आई। मुझे लगा, उसे कुछ चाहिए होगा। शायद पेंशन या पक्का मकान। उसने मुझसे



कहा- 'मैंडम, आपसे कुछ मांगना है।' उसने जो मांगा, उससे मेरा सिर शर्म से झुक गया। उसने कहा- 'मैंडम, हमारे गांव में स्कूल लड़कियां 5वीं कक्षा तक है। उसके बाद जंगल और पहाड़ के बीच में बच्चों की पढ़ाई का अंत हो जाता है। मुझे आगे की कक्षा तक अपने गांव में स्कूल चाहिए।' उस वक्त तक उस महिला के घर में पानी नहीं था। उसने स्कूल मांगा। मैंने नियम देखे, स्कूल मंजूर किया। आज 3 साल हो जाने के बाद वह स्कूल बनना शुरू नहीं हुआ। अब मुझे बताइए कि क्या नहीं था? पैसा नहीं था, नियम नहीं था, स्वीकृति नहीं थी? बस इरादा नहीं था। अगर इरादा होता तो पहाड़ भी रास्ता दे देता। इरादा नहीं था तो एक फाइल ही पहाड़ बन गई। मुझे उन गायब स्कूलों का हिसाब चाहिए। जब मैं विशेष सचिव राजस्व थी, एक आदमी पत्नी में कागज लपेटे हुए आया। उसने कहा- 'मैंडम, मैं भूमिहीन था। कुछ साल पहले एसडीएम ने सरकारी जमीन का मुझे पट्टे पर दे दिया। कागज तो मिल गए, लेकिन जमीन पर कब्जा नहीं मिला।' मैंने उसके कागज देखे, रिपोर्ट सरासर झूठी थी। मैंने संबंधित जिले के अधिकारी से बात की। उसने माना कि रिपोर्ट गलत है। रिपोर्ट वापस हुई, बनाने वाले पर कार्रवाई हुई। इसके बाद उसे कक्षा दिलाया था। मैंने दो बार फोन किया, तीन बार कहलवाया तो वहां से जवाब आया कि ऊपर से मना किया गया

है। यह ऊपर कौन है? संविधान तो कहता है कि सबसे ऊपर लोग हैं। तो उसे न्याय के लिए इधर-उधर क्यों भटकना पड़ रहा है? मुझे उन पत्नियों में लिपटे अन्याय का हिसाब चाहिए। हजारों गांव हैं, जहां आज भी सड़क नहीं है। नदी है तो पुल नहीं है। बरसात

नहीं है। लेकिन सवाल तो हो सकता था? सोच तो हो सकती थी? कोई सदन नहीं है, जहां पर इसके बारे में बात हो रही हो। हमारे बच्चे जिस भविष्य की ओर चल रहे हैं, उसकी किसी को चिंता ही नहीं है। मुझे वो राजनीति नहीं करनी है, जो लोगों को सीढ़ी बनाकर सत्ता तक पहुंच जाए। वो राजनीति करनी है, जो लोगों को सजती हैं और वहीं पर रुक जाती हैं, क्योंकि लोग ही तो मंजिल हैं। यहीं पर दूसरे सवाल का जवाब आता है। जब मंजिल आप हैं, तो मंजिल तक पहुंचने वाला रास्ता भी सिर्फ आप ही से होकर गुजरेगा, किसी झंड़े (पार्टी) के नीचे नहीं। जिन झंडों के नीचे 80 सालों में हिसाब नहीं बदला, उन झंडों के नीचे खड़े होकर हिसाब नहीं मांगा जा सकता। इसलिए मैं राजनीति करूंगी, किसी दल के साथ नहीं। सिर्फ आपके साथ। लेकिन ये कैसे होगा? राजनीति तो शरीफ लोगों के लिए है ही नहीं। इसका जवाब मुझे अपने इस्तीफे के चंद घंटों में मिल गया, जहां आम लोगों ने मेरा समर्थन किया। एक बड़ी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता ने लिखा कि मैं रात के अंधेरे में एक दूसरी बड़ी पार्टी के बड़े नेता से मिली थी। वो मुलाकात कभी नहीं हुई थी। ये बात लिखने वाले को भी पता थी, लेकिन मकसद सच लिखना नहीं था। मकसद था- एक महिला जो सवाल पूछने निकली है, उसको पहले ही दिन डरा दो। यही तो ये लोग करते हैं। किसी को ईंट-कंकरी नही है, किसी को टोल करके बिठा दो, ताकि अच्छे लोग राजनीति में न आएँ। इनकी ऐसे ही राजनीति चलती रहे।

हमें इसको बदलना है। मैं डरूंगी नहीं, मैं सवाल ही पूछूंगी, ताकि देश की हर छोटी बच्ची अपने मन की बात कह सके और उसे रात के अंधेरे का डर न दिखाया जा सके। जिन लोगों ने उस दिन मेरा समर्थन किया था, उन्हीं लोगों के साथ एक ऐसा मंच बनाएंगे, जो इनसे डरेगा नहीं। ये बताइए, जो पैसा चुनाव में बहाया जाता है, वो कहाँ से आता है? वो हमारी सड़क से आता है, हमारे पुल से आता है, हमारे स्कूल से आता है। मुझे वो पैसा नहीं बहाना, मुझे वो सड़क ही चाहिए। ये बाहुबल जनता पर दिखाया जाता है, मुझे वो नहीं चाहिए। मुझे लोगों से बनी हुई शक्ति चाहिए, जो लोगों के लिए हो और लोगों की ही हो। जाति-धर्म का समीकरण इसलिए नहीं है, क्योंकि मैंने कभी बैठाया नहीं। जब मैं अधिकारी थी तो न्याय करने से पहले मैंने कभी किसी का नाम नहीं भूछा, राजनीति में भी नहीं पूछूंगी। 80 सालों तक इन्होंने समीकरण ही तो बैठाए और साथ में देश भी बैठा रह गया।

दिल्ली की जज का रेप पीड़ित बच्ची को स्पेशल ख़त ,लिखा- तुम्हारा बचपन लौटा नहीं सकते, लेकिन साहस याद रखेंगे, दोषी कभी आजाद नहीं होगा

नयी दिल्ली। दिल्ली की ट्रायल कोर्ट जज रजनी रंगा ने 10 साल की रेप पीड़ित बच्ची के लिए फैसला सुनाने के बाद एक खास लेटर लिखा। इसमें उन्होंने कहा- हम तुम्हारा बचपन तो नहीं लौटा सकते, लेकिन तुम्हारी हिम्मत याद रखेंगे। जिसने तुम्हें चोट पहुंचाई, वह अब कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएगा।दिल्ली हाईकोर्ट ने अब इस लेटर को बच्ची या उसके परिवार तक पहुंचाने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने इसे 'करेज नोट' यानी साहस का संदेश बताया। नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) को इसे प्रिंट कर दो हफ्ते में बच्ची तक पहुंचाने को कहा गया है। मामला 23 जुलाई 2023 का है। उस समय बच्ची 7 साल की थी। उसके माता-पिता ने सुमित शक्व के खिलाफ रेप की शिकायत की थी। बच्ची उसे अंकल कहती थी। पीड़ित ने कोर्ट से कहा था कि अंकल को तब तक जेल में रखा जाए, जब तक वह बूढ़ा न हो जाए। जज ने बच्ची को क्या लिखा:-'डियर चाइल्ड' से शुरू हुआ लेटर-जज रजनी रंगा ने लेटर की शुरुआत 'डियर चाइल्ड' से की। उन्होंने बच्ची के कोर्ट

में आने, आरोपी की पहचान करने और सच बताने की हिम्मत



दिल्ली की ट्रायल कोर्ट की विशेष जज रजनी रंगा

की तारीफ की। जज ने लिखा- तुम चुप नहीं रही, बल्कि अपनी मां को पूरी बात बताई। तमने जिस हिम्मत के साथ सच बताया, उससे आरोपी को किसी दूसरे बच्चे को नुकसान पहुंचाने से रोका जा सका। कोर्ट तुम्हारी इस बहादुरी को याद रखेगा। लेटर में 'अंकल' का भी जिक्र:- जज ने लेटर में लिखा- कोर्ट ने तुम्हारी बात सुनी है। दोषी अपनी जिंदगी के बाकी समय तक जेल में रहेगा। वह जेल में ही बूढ़ा होगा और वहीं उसकी जिंदगी

खत्म होगी। वह तुम्हें, तुम्हारी छोटी बहन या किसी दूसरे बच्चे

को दोबारा नुकसान नहीं पहुंचा सकेगा। 'अब अपनी जिंदगी जियो':-लेटर के आखिर में जज ने बच्ची से कहा- अब बेटा, अपनी जिंदगी जियो। स्कूल जाओ। दोस्त बनाओ। हंसो। खेलो। सपने देखो। आरोपी को उग्रभर जेल की सजा, बच्ची को रु10.50 लाख मुआवजा:-सुमित शक्व को पाँक्सो के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्ची के खिलाफ गंभीर यौन अपराध के मामले में प्राकृतिक जीवन के बाकी समय तक कठोर कारावास

की सजा मिली है।उस पर रु1 लाख का जुर्माना भी लगाया गया। आपराधिक धमकी के मामले में उसे 5 साल की कठोर कैद और रु20 हजार जुर्माने की सजा सुनाई गई। दोनों सजाएं साथ चलेंगी। ट्रायल कोर्ट ने बच्ची के लिए रु10.50 लाख मुआवजा तय किया था। हाईकोर्ट ने डीएलएसए सचिव से इसके भुगतान की स्थिति पर रिपोर्ट मांगी है। हाईकोर्ट ने जमानत पर राहत नहीं दी:-इधर, दिल्ली हाईकोर्ट ने दोषी की सजा पर तत्काल रोक लगाने और जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने मामले में फॉरेंसिक रिपोर्ट सहित अन्य सबूतों को ध्यान में रखा। डीएलएसए सचिव से मुआवजे के भुगतान की स्थिति पर रिपोर्ट भी मांगी गई है। मामले की अगली सुनवाई 4 नवंबर 2026 को होगी, जबकि आरोपी की अपील जाओ। दोस्त बनाओ। हंसो। खेलो। सपने देखो। आरोपी को उग्रभर जेल की सजा, बच्ची को रु10.50 लाख मुआवजा:-सुमित शक्व को पाँक्सो के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्ची के खिलाफ गंभीर यौन अपराध के मामले में प्राकृतिक जीवन के बाकी समय तक कठोर कारावास

नीले ड्रम वाली मुस्कान को सजा-ए-मौत मिलेगी या रिहाई? फ़ैसले की घड़ी आई-22 लोगों की गवाही बने सबूत

मेरठ। यह केस पूरे देश में 'नीला ड्रम' की वजह से मशहूर हुआ। सौरभ राजपूत की लाश उनके ही घर में नीले ड्रम में मिली



थी। अब इस हत्याकांड में फ़ैसले की घड़ी आ गई है। 126 तारीख, 22 से अधिक गवाहों के बयान के बाद कल यानी 30 सितंबर को मेरठ के जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा अपना फ़ैसला सुनाएंगे। सौरभ की आरोपी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल भी कोर्ट में पेश होंगे। क्या दोनों हत्यारोपियों को उम्रकैद होगी या उन्हें फांसी दी जाएगी? या दोनों ही रिहा हो जाएंगे? सभी की निगाहें जज के फ़ैसले पर हैं। 19 मार्च, 2025 को पुलिस ने मुस्कान और साहिल को मेरठ जेल भेज दिया था। 17 मार्च, 2025 को यह केस कोर्ट में पहुंचा था। जुलाई, 2025 में केस जिला जज की कोर्ट में ट्रायल पर आया। 13 महीने तक बहस चली। सीनियर एडवोकेट डीजीसी फौजदारी केके चौबे ने कहा-'सौरभ हत्याकांड में सारी गवाहियां पूरी हो चुकी हैं। हमारा प्रयास मुस्कान-साहिल को फांसी की सजा दिलाना है। समाज में जिस तरह पति, पत्नी के रिश्ते को शर्मसार किया गया है, उसके खिलाफ एक कड़ा संदेश का चाहिए।' कोर्ट पहुंचे 22

हथियारों के इस्तेमाल की पुष्टि हुई। सारी गवाही मुस्कान-साहिल के खिलाफ हैं। ऐसे में उन्हें सजा होना तय माना जा

रहा है। पढ़िए 12 गवाहों की गवाही:- 1. मुस्कान और साहिल ने मेरे भाई को मारा: सौरभ के भाई बबलू राजपूत की कोर्ट में 8 बार गवाही हुई। उसने कहा- मेरे भाई से मेरी बात नहीं हो पा रही थी। 17 मार्च को किसी ने बताया कि भाई की बाँड़ी उसके घर में पड़ी है। जब मैं गया तो वहां एक लाश थी, जो मेरे छोटे भाई की पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल ने की थी। 2. लाश को नीले ड्रम में छिपाया गया: हेड मोहरियर बूजेरा कुमार ने कहा- केस की मैंने तहरीर लिखी थी। ब्रह्मपुरी में एक घर में नीले रंग के ड्रम में लाश मिली थी। इसके बाद मृतक सौरभ के भाई राहुल ने तहरीर (शिकायत) लिखवाई थी। इसमें मुस्कान के अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर पति सौरभ की हत्या करने की बात सामने आई थी। 3. मुस्कान ने प्रेमी के साथ मिलकर बेटे को मार डाला:-मां रेणु राजपूत ने बताया- मेरे छोटे बेटे सौरभ को मुस्कान रस्तोगी से प्यार हो गया था। हमारे बार-बार मना करने के बावजूद सौरभ



गवाह, कहा- मुस्कान-साहिल ही हत्याघरे:-केस में अब तक जिन 22 गवाहों ने गवाही दी है, सभी ने मुस्कान-साहिल को ही सौरभ का हत्यारा बताया है। हत्या सुनियोजित ढंग से की गई थी। आरोपियों ने चाकू, उत्तरा, सीमेंट, बालू और बड़ा नीला ड्रम पहले ही खरीद लिया था। पुलिस और फॉरेंसिक टीम की गवाही ने घटनास्थल की भयावहता को उजागर किया है, जहां खून के निशान पूरे कमरे में फैल थे। शव को बेरहमी से काटकर सीमेंट में ड्रम के अंदर छिपाया गया था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी हत्या की क्रूरता और धारदार

ने मुस्कान से शादी कर ली। शादी के बाद मुस्कान ससुराल में रहती थी, लेकिन उसका रवैया बहुत खराब था। वो सौरभ का बिल्कुल ख्याल नहीं रखती थी। वो हमारे पूरे परिवार से लड़ती थी। शादी से पहले ही मुस्कान, साहिल से मिलती-जुलती रहती थी। जब सौरभ लंदन चला गया, तब भी मुस्कान और साहिल अक्सर मिलते थे। एक बार मुस्कान घर छोड़कर चुपचाप अपने प्रेमी साहिल के साथ कहीं चली गई थी। बाद में उसे पुलिस की मदद से तलाश कराया था। तब भी सौरभ ने मुस्कान को साहिल से दूर रहने के लिए कहा था।



मैटेरियल व्यापारी आशू ने बताया- मेरी शारदा रोड पर बालू-सीमेंट बेचने की दुकान है। मेरे यहां एक लड़का-लड़की ई-रिक्शा में सवारी सौरभ के साथ आई थी। मुस्कान ने प्रेमी के साथ मिलकर बेटे को मार डाला:-मां रेणु राजपूत ने बताया- मेरे छोटे बेटे सौरभ को मुस्कान रस्तोगी से प्यार हो गया था। हमारे बार-बार मना करने के बावजूद सौरभ

निशान थे। उसकी बाँड़ी में नशीला पदार्थ (कुछ खाना) निकला था। जो मरने से पहले खाया गया था। उसकी बड़ी बेरहमी से हत्या की गई थी। 10. दोनों दोबारा घूमने जाने के लिए कह रहे:-कैब ड्राइवर अजब सिंह ने बताया- दोनों ने यात्रा के दौरान शराब भी पी थी। मुझे नहीं पता था कि ये दोनों सौरभ की हत्या करके मेरे साथ घूमने आए हैं। मैंने उनको मेरठ में वापस ड्रॉप किया था। इसके बाद 19 मार्च को मैंने अखबार में सौरभ हत्याकांड की खबर पढ़ी। मुस्कान-साहिल की तस्वीर लगी थी, तब मुझे पता चला कि ये दोनों तो वहीं हैं जो मेरी कैब में पिछले 10 दिनों तक घूमे थे। 11. मैंने ही कॉल डिटेल रिपोर्ट दी थी: रिलायंस जियो इफोकॉन लिमिटेड के अल्टरनेट नोडल अफसर लोकेश कुमार ने बताया- पुलिस की तरफ से हमसे कुछ नंबरों की कॉल डिटेल मांगी गई थी। इस कॉल डिटेल की रिपोर्ट और मोबाइल लोकेशन हमसे दी थी। ये बातचीत मुस्कान और साहिल के बीच की है। साथ ही सौरभ की भी कॉल डिटेल उसमें शामिल है। 12. खुद को पति-पत्नी बताया था: शिमला में होटल लॉर्डस ग्रे के मैनेजर देवेंद्र ने बताया- मुस्कान-साहिल दोनों हमारे होटल में आकर रुके थे। दोनों ने एक-दूसरे को पति और पत्नी बताया था। आधार कार्ड भी जमा किया था। दोनों ने हमें बताया कि वो हसबैंड-वाइफ हैं। इसके बाद रुके थे।

मजरूह सुल्तानपुरी से पहली मुलाकात पर बोले ललित पंडित, उन्होंने कहा था- तुम क्यों आ गए, मैं तो अब काम नहीं करता

मुंबई। हिंदी सिनेमा में 90 के दशक के संगीत की बात हो और संगीतकार जोड़ी जतिन-ललित का जिक्र न हो, ऐसा संभव नहीं है। इस जोड़ी ने 'जो

गीतकार भी थे, लेकिन मेरे व्यक्तिगत पसंदीदा गानों में, जिन्हें मैं अक्सर गाता हूँ, मजरूह साहब के कई गाने शामिल हैं। इसलिए जतिन और मुझे उनसे



ललित पंडित ने मजरूह सुल्तानपुरी के साथ बिताए दौर की यादें साझा कीं

जीता वही सिकंदर', 'खामोशी', 'कभी हां कभी ना' और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे' जैसी फिल्मों के संगीत से अपनी अलग पहचान बनाई। इसी दौर में गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी के साथ उनका खास रिश्ता बना। अब मजरूह सुल्तानपुरी की बर्थ एनिवर्सरी पर संगीतकार ललित पंडित उनका लिखा पुराना गीत 'बात नजर की है' रिलीज करने जा रहे हैं। यह गीत कई साल पहले रिकॉर्ड किया गया था और मूल रूप से ललित और जतिन के प्राइवेट एल्बम का हिस्सा बनने वाला था। खास बात यह है कि इसकी धुन ललित पंडित ने बनाई थी और मजरूह सुल्तानपुरी ने उसी धुन पर बोल लिखे थे। ललित पंडित ने दैनिक भास्कर से बातचीत में मजरूह सुल्तानपुरी के साथ अपने रिश्ते, काम करने के अनुभव और धुन पर गीत लिखने की प्रक्रिया से जुड़े कई किस्से साझा किए। सवाल: मजरूह सुल्तानपुरी की बर्थ एनिवर्सरी पर आप उनका लिखा गीत रिलीज कर रहे हैं। इसके बारे में बताइए? जवाब: पहली अक्टूबर को मजरूह साहब का जन्मदिन होता है। जो गाना मैं रिलीज करने जा रहा हूँ, वह हमने बहुत पहले रिकॉर्ड किया था। एक वक्त था जब मैं और जतिन एक एल्बम करना चाहते थे और मजरूह साहब उसके गाने लिख रहे थे। यह उन्हीं गानों में से एक है। सबसे अच्छी बात यह है कि यह मजरूह साहब का लिखा हुआ गीत है और उनके जन्मदिन पर ही रिलीज हो रहा है। मजरूह साहब के साथ हमारा बहुत अच्छा रिश्ता रहा। उन्होंने हमारे साथ काफी काम किया। 'जो जीता वही सिकंदर' उन्हीं की लिखी हुई थी। मेरे करियर के शुरुआती दौर में फिल्म 'यारा दिलदारा' के गीत 'बिन तेरे सनम' ने जतिन-ललित को जो पहचान दिलाई, उसके बोल भी मजरूह साहब ने लिखे थे। इसके अलावा 'कभी हां कभी ना' और 'खामोशी' जैसी फिल्मों में उनके साथ काम करने का मौका मिला। मजरूह साहब से हमें बहुत कुछ सीखने का मिला। मेरे मन में हमेशा था कि उनके जन्मदिन पर उनका लिखा कोई गीत रिलीज करूँ। अब पहली अक्टूबर को यह गाना सभी म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगा। सवाल: मजरूह साहब के साथ काम करते हुए आपको कब एहसास हुआ कि आपके पसंदीदा कई गाने उन्हीं ने लिखे हैं? जवाब: जब मैंने उनके साथ काम करना शुरू किया था,

बहुत लगाव था। हमारे संगीत के शुरुआती दौर में उनकी बहुत गाइडेंस रही। वह हमारे लिए गुरु जैसे थे। उनके गानों के अलावा उनकी बातें सुनने में भी बहुत मजा आता था। वह हमारे साथ काफी फ्रेंडली हो गए थे। वह दौर हमारे लिए बहुत यादगार रहा। सवाल: जब आपने संगीत में करियर शुरू करने के बारे में सोचा, तब मजरूह साहब से मुलाकात कैसे हुई? जवाब: जब मैं और जतिन 'यारा दिलदारा' फिल्म पर काम कर रहे थे, तब हम सोच रहे थे कि किस गीतकार के साथ काम किया जाए। हमारी दीदी सुलक्षणा पंडित ने मजरूह साहब के साथ काम

काम शुरू किया तो उनके कई शानदार गाने आए। उन्हें नॉमिनेशन मिले और अवॉर्ड भी मिले। इसके बाद इंडस्ट्री में दूसरे लोग भी उनके साथ काम करना चाहते थे। वह दौर उन्होंने भी देखा। वह हमसे बहुत खुश रहते थे, क्योंकि हमारा म्यूजिक उनके साथ बहुत अच्छा चल रहा था। काम में बहुत मेहनत होती थी, लेकिन उसके साथ बहुत मजा भी आता था। सवाल: मजरूह साहब के साथ गाने तैयार करने की प्रक्रिया कैसी होती थी? आप उन्हें सिचुएशन और धुन कैसे समझाते थे? जवाब: मजरूह साहब ने हमारे साथ जितने भी गाने लिखे, उनमें से ज्यादातर धुन पर लिखे गए थे। हम धुन बनाकर उन्हें देते थे और वह उस पर बोल लिखकर लाते थे। जो गाना अब रिलीज हो रहा है, उसकी धुन भी मैंने मजरूह साहब को दी थी। उन्होंने उसी पर बोल लिखे थे। यह उस समय की रिकॉर्डिंग है। इसमें आपको उस दौर का एनालॉग फील मिलेगा। इस गाने की खास बात यह है कि इसे उसी दौर में रिकॉर्ड किया गया था, जब हमने 'कुछ कुछ होता है', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे' जैसी बड़ी फिल्मों के गाने रिकॉर्ड किए थे। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यह है कि यह गीत उस समय लिखा गया था, जब मजरूह साहब हमारे बीच थे और उनके साथ बैठकर तैयार हुआ था। सवाल: क्या यह गाना किसी फिल्म के लिए रिकॉर्ड किया गया था? जवाब: नहीं, मैं और जतिन अपना एक प्राइवेट एल्बम करना चाहते थे। हमने मजरूह साहब से बात की थी और उन्होंने कहा था कि वह हमारे

समझाते थे। वह डायरेक्टर से भी बात करते थे कि गाने की सिचुएशन क्या है। इसके बाद घर जाकर गीत लिखते थे और फिर गाना लेकर आते थे। सवाल: धुन पर गीत लिखना और लिखे हुए गीत पर धुन बनाना, दोनों में क्या चुनौती होती है? जवाब: मजरूह साहब ने एक बार मुझसे कहा था कि वह उन लोगों में से थे, जिन्होंने धुन पर लिखने की शुरुआत की। पहले आमतौर पर शब्दों पर काम होता था और उसके बाद धुन बनाई जाती थी। हमारे लिए धुन पर गाना बनाना ज्यादा सुविधाजनक था, क्योंकि इससे कंपोजर को ज्यादा क्रिएटिव लिबर्टी मिलती है। वह गाने को अलग-अलग तरीके से आगे ले जा सकता है। अगर कोई माहिर गीतकार हो तो वह धुन पर भी अच्छा लिख सकता है। मजरूह साहब के लिए भी यह एक तरह की चुनौती होती थी कि धुन के हिसाब से शब्दों को कैसे खूबसूरती से बैठाया जाए। 'खामोशी' और 'जो जीता वही सिकंदर' के हमारे कई गाने ऐसे थे, जिनकी धुन पहले बनाई गई थी। 'पहला नशा' जैसे गाने के बोल पहले लिखे जाते और फिर उन पर धुन बनाने की कोशिश होती, तो जरूरी नहीं कि वही खूबसूरती आती। कंपोजर की भी एक उड़ान होती है कि वह धुन को कहां लेकर जाता है। हमारा सक्सेस रेशियो इसलिए अच्छा रहा, क्योंकि हमने ज्यादातर धुन पहले बनाई और फिर उन पर बड़े गीतकारों से लिखवाया। हालांकि कुछ गाने ऐसे भी हैं, जिन्हें मैंने पहले से लिखे हुए बोलों पर कंपोज किया।



ललित पंडित ने बताया, धुन सुनकर मजरूह साहब लिखते थे गीत।

किया था। उन्होंने ही सुझाव दिया कि तुम लोग मजरूह साहब के साथ काम करो। उस समय वह काम नहीं कर रहे थे। इसके बाद हम मजरूह साहब से मिलने उनके घर गए। रिजवी कॉलेज के पास उनका घर था। वहीं हमारी पहली मुलाकात हुई और उसके बाद एक अच्छा सिलसिला शुरू हुआ। सवाल: पहली मुलाकात में मजरूह साहब का क्या रिएक्शन था? जवाब: मजरूह साहब उस समय इंडस्ट्री से थोड़े नाराज थे, क्योंकि काफी समय से लोग उनके साथ काम नहीं कर रहे थे। उन्होंने हमसे कहा, 'तुम क्यों आ गए हो? मैं तो काम नहीं करता। तुम मेरे पास क्यों आ गए?' हमने कहा कि हम दोनों आपके साथ काम करना चाहते हैं और अपने करियर की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने हमसे बात की। जब उन्हें पता चला कि हम सुलक्षणा से जुड़े हैं और हमारे परिवार का संगीत से रिश्ता है, तो वह समझ गए कि हम संगीत से जुड़े परिवार के लड़के हैं। इसके बाद उन्होंने प्यार से कहा कि वह हमारे साथ जरूर काम करेंगे। सवाल: इसके बाद जब आपके

लिए जरूर लिखेंगे। यह उसी समय का लिखा हुआ गीत है। सवाल: इस गाने को किसने गाया है? जवाब: यह हमारा एल्बम था, इसलिए यह गाना मैंने खुद गाया है। जतिन के जो गाने थे, उन्हें जतिन ने गाया था। सवाल: मजरूह साहब को चुनने के पीछे उस समय आपकी क्या सोच थी? दूसरे कई गीतकार भी सक्रिय थे? जवाब: सच कहूं तो यह हमारा नसीब था और हमारी दीदी की अच्छी सलाह थी, जो बहुत काम आई। हम मजरूह साहब को क्या चुनते? उन्होंने हमें चुना, यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात थी। वह बहुत नॉलजैबल इंसान थे। मैंने उनके जैसा ईसान फिर कभी नहीं देखा। उनसे बहुत कुछ सीखने का मिला। उनके साथ बैठने में बहुत मजा आता था। वह हमें इस तरह ट्रीट नहीं करते थे कि हम नए म्यूजिक डायरेक्टर हैं। उनका व्यवहार बहुत सहज था। उनमें एक अलग तरह का ह्यूमर था। वह बहुत जिंदादिल इंसान थे और कलाकार तो बहुत बड़े थे ही। सवाल: क्या मजरूह साहब के घर पर महफिल जमती थी? वहीं गाने लिखे जाते थे?

जैसे 'लवरिया हो राजू बन गया जेटलमैन' का गाना 'सीने में दिल है, दिल में है धड़कन'। वह भी अच्छा बना। लेकिन हर बार जरूरी नहीं है कि लिखे हुए बोल पर बनाई गई धुन उतनी ही अच्छी बने। सवाल: जब मजरूह साहब के गाने दोबारा लोगों के बीच आए और उन्हें काम मिलने लगा, तब उनका क्या रिएक्शन था? जवाब: वह कहते थे कि अब मैं इतना काम नहीं कर सकता और मुझे इतना काम करना भी नहीं है। वह कहते थे कि मुझे तुम लोग पसंद हो और मैं तुम्हारे साथ काम करूंगा। उनके ये शब्द मुझे आज भी याद हैं। सवाल: मजरूह साहब का अपना कोई पसंदीदा गीत उन्होंने आपको बताया था? जवाब: एक बार मैंने उनसे पूछा था कि आपको अपना लिखा कौन सा गाना पसंद है। मैं उनसे बहुत सवाल करता था, क्योंकि जानना चाहता था कि उन्हें अपना कौन सा काम पसंद है। उन्होंने दो गानों का जिक्र किया था। उनमें से एक था, 'वाह वादियों में मेरा दामन, रास्ते मेरी बाहें...'। उन्हें यह गाना बहुत पसंद था। मुझे याद है, जब उन्होंने 'रास्ते मेरी बाहें' कहा था तो उन्होंने अपने दोनों हाथ फैला दिए थे। उनका अंदाज ही बहुत खूबसूरत था। एक और गाना था, 'तेरी आंखों के सिवा दुनिया में रखा क्या है'। इस गाने से जुड़ा सुंदर किस्सा वह सुनाया करते थे। उन्होंने जिस तरह से बताया था, वह सुनने लायक था। सवाल: गाने के म्यूजिक वीडियो में कौन-कौन से आर्टिस्ट नजर आएंगे? जवाब: यह अभी सरप्राइज है। मैं यूरोप गया था और वहीं इस गाने का वीडियो शूट किया है। बाकी चीजें आप वीडियो देखकर जानेंगे। सवाल: मजरूह साहब के जन्मदिन को लेकर कोई और खास किस्सा साझा करना चाहेंगे? जवाब: फिलहाल इतना ही करते हैं, क्योंकि अभी हम इसी गाने को प्रमोट कर रहे हैं। मजरूह साहब के साथ बहुत सारी यादें हैं। उनके बारे में फिर कभी विस्तार से बात करेंगे। अभी मेरा फोकस इसी गाने पर है।



मजरूह साहब के लिखे अपने पसंदीदा गानों का भी जिक्र किया ललित पंडित ने।

तब मुझे भी इतनी जानकारी नहीं थी कि उन्होंने कितना बड़ा काम किया है। बाद में एहसास हुआ कि मेरे जितने पसंदीदा गाने हैं, उनमें से कई मजरूह साहब के लिखे हुए हैं। बेशक आनंद बख्शी साहब और कई दूसरे बड़े

गाने सफल हुए तो मजरूह साहब के साथ आपकी बॉन्डिंग कैसी हो गई? जवाब: जब कोई काम सफल होता है तो अपने आप एक बॉन्डिंग बन जाती है। एक-दूसरे पर विश्वास बढ़ता है। मजरूह साहब ने हमारे साथ

जवाब: नहीं, वह हमारे म्यूजिक रूम में आते थे। वहीं हमारे सारे म्यूजिशियन होते थे और गाने बनते थे। कभी-कभी वहीं करेक्शन भी करते थे, लेकिन ज्यादातर वह धुन पर लेकर जाते थे। हम उन्हें सिचुएशन और धुन

सहेली का पति फ्लर्ट करता है, मुझे अजीब लगता है, क्या एक मैरिड आदमी का ऐसा व्यवहार सही है, मैं क्या करूं?

नोएडा। कुछ लोग ऐसे होते हैं और पूरी दुनिया एक जैसी तो नहीं हो सकती महत्व ये रखता है की आप उसे हैंडल कैसे करती हैं ऐसी विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 32 साल है। एक साल पहले मेरी बेस्ट फ्रेंड की शादी हुई। वो अपनी शादी में बहुत खुश है, लेकिन उसका हसबैंड कई बार मेरे साथ फ्लर्ट करता है। हालांकि मैं भी उसे हंसी-मजाक में ही लेने की कोशिश करती हूँ, लेकिन मुझे बड़ा अजीब लगता है। क्या ये बिहेवियर नॉर्मल है? क्या एक शादीशुदा आदमी का अपनी वाइफ की फ्रेंड के साथ इस तरह फ्लर्ट करना सही है? जवाब- मैं आपके सवाल से जुड़ी उलझन समझ सकती हूँ। ऐसी स्थिति में अक्सर लोग कन्फ्यूज हो जाते हैं कि सामने वाला सिर्फ फ्रेंडली है या उसकी नीयत कुछ और है। खासकर तब, जब वह व्यक्ति आपको करीबी दोस्त का पति हो। तो चलिए आइए सिचुएशन को समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। क्या ये फ्लर्ट अनहेल्दी है? साइकोलॉजी के मुताबिक, हर फ्लर्टिंग का मकसद हमेशा गलत या बुरा नहीं होता। कुछ लोग स्वभाव से बहुत ज्यादा जिंदादिल, सोशल और 'चार्मिंग' होते हैं। वे माहौल को हल्का-फुल्का और खुशनुमा बनाए रखने के लिए हंसी-मजाक या हेल्दी फ्लर्टिंग करते हैं। इसे 'सोशल फ्लर्टिंग' भी कहते हैं। यह सब इस पर निर्भर करता है कि कोई किस समय, किस माहौल में, किस तरीके और किन शब्दों के साथ से फ्लर्ट कर रहा है। हालांकि, कुछ मामलों में यह बिहेवियर इरादतन, बाउंड्रीज से बाहर और खराब भी हो सकता है। आपको सबसे पहले उनका बिहेवियर पैटर्न नोटिस करना चाहिए। साथ ही सिचुएशन को बेहतर ढंग से समझने के लिए खुद से ये सवाल पूछने चाहिए- वह कब, किस सिचुएशन में फ्लर्ट करता है? क्या वह सिर्फ अकेले में फ्लर्ट करता है? क्या वह अपनी वाइफ के सामने भी फ्लर्ट करता है? क्या वह बाकी दोस्तों के सामने भी फ्लर्ट करता है? क्या वो दूसरों से भी इसी खिलदड़े अंदाज में पेश आता है? क्या अकेले में उसका व्यवहार बदल जाता है? क्या अकेले में और दूसरों के सामने उसका व्यवहार एक जैसा होता है? क्या उसकी वाइफ इस बात से वाकिफ है? क्या उसकी वाइफ को इस बात का बुरा लगता है? क्या वह आपकी तय की बाउंड्रीज को क्रॉस करता है? खुद को देने हैं जवाब:- ये सवाल आपको खुद से पूछने हैं और इनका जवाब खुद को ही देना है। अगर वह- वाइफ के सामने और पीठ पीछे एक जैसा व्यवहार करते हैं। बाकियों के साथ भी वैसे ही पेश आते हैं, जैसे आपके साथ। अकेले में उनका व्यवहार बदलता नहीं है। उनकी वाइफ को पता है और उन्हें प्रॉब्लम नहीं है। तो ये अपने आप में कोई बड़ी समस्या नहीं है। यहां कोई दुरारा-छिपाव नहीं है। फ्लर्ट हर बार समस्या नहीं होती। लेकिन यहां समझने वाली बात ये है कि अगर उनका फ्लर्ट करना आपको पसंद नहीं तो उन्हें आपकी बाउंड्री की रिसपेक्ट करनी चाहिए। इसके लिए आप ये काम करें- साफ शब्दों में बताएं

समझने की कोशिश करनी चाहिए? क्या फ्लर्टिंग हमेशा

लोगों को असामान्य लग सकता है। कुल-मिलाकर फ्लर्टिंग एक

ले सकती हैं- स्पष्ट और विनम्र रहें- अगली बार असहजता होने



गलत? फ्लर्टिंग को लेकर व्यक्ति और समाज के रूप में हमारा नजरिया अक्सर पूर्वाग्रह और असहजता से भरा होता है। इसके लिए परवरिश जिम्मेदार है। प्रकृति और जीव-जगत की बात करें तो वहां ऐसा कोई जीव नहीं, जो फ्लर्ट नहीं करता। हर जीव किसी-न-किसी रूप में आकर्षण व्यक्त करता है और कम्प्यूनिकेट करता है। यानी सांस लेने और भोजन करने की तरह यह भी एक स्वाभाविक व्यवहार है। अखिर फ्लर्टिंग क्या है? यह दो लोगों के बीच आपसी सहमति से होने वाला एक हल्का-फुल्का और दोस्ताना संवाद है। यह किसी के प्रति अपना इंटररेस्ट

स्वाभाविक मानवीय व्यवहार है, लेकिन उसकी स्वीकार्यता और नैतिकता का आधार केवल एक है- आपसी सहमति और सम्मान। कैसे पहचानें कि फ्लर्टिंग का इरादा गलत? अपने पूर्वाग्रह को चेक करने के बाद भी, अगर आपकी 'गट फीलिंग' बार-बार कह रही है कि कुछ गलत है, तो उसे नजरअंदाज न करें। अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर और गलत इरादे से फ्लर्ट कर रहा है, तो उसके बिहेवियर में ये 'रेड फ्लैग्स' दिखाई देंगे- टोन बदलना बातचीत का दोस्ताना से पर्सनल होना। गलत टच बिना वजह करीब आना या छूना। स्क्रिंटेड चैट लेट नाइट

पर मुस्तुकराकर टालने की बजाय फॉर्मल रहे। आप कह सकती हैं, 'मुझे इस तरह का मजाक पसंद नहीं है, उम्मीद है आप इसका सम्मान करेंगे।' सहेली से बातचीत- अगर बाउंड्री तय करने के बाद भी बिहेवियर न बदले, तो अपनी दोस्त से बात करें। बताएं कि, 'मुझे कभी-कभी तुम्हारे हसबैंड के बात करने का तरीका असहज करता है।' गिल्ट से बचें- ऐसी स्थितियों में महिलाएं अक्सर खुद को दोषी मानने लगती हैं। याद रखें, अपनी मानसिक शांति के लिए सीमाएं तय करना आपका हक है। इसके लिए गिल्ट महसूस न करें। अगर दोस्त का पति सबके



या आकर्षण जताने का एक तरीका भी हो सकता है। अपने आप में फ्लर्टिंग गलत या बुरी नहीं है। सबसे पहले जरूरी सहमति- सवाल यह नहीं है कि फ्लर्टिंग सही है या गलत। असली सवाल यह है कि उसमें सहमति है या नहीं। जो कुछ भी हो रहा है, क्या वह दोनों लोगों की इच्छा से हो रहा है? अगर सहमति नहीं है तो वही व्यवहार गलत और असहज लग सकता है। फ्लर्टिंग क्या नहीं है? साथ ही ये भी समझना उतना

मैंसेज या डबल मीनिंग बातें। छिपाना 'उसे मत बताना' जैसी कंसेंट आपकी सहमति की रिसपेक्ट न करना। बातें करना। रिश्तों में 'बाउंड्री' तय करना क्यों जरूरी? रिश्ता चाहे कितना भी करीबी क्यों न हो, बाउंड्री हर रिश्ते में जरूरी है। फ्लर्टिंग में कुछ सही या गलत नहीं होता। सवाल सिर्फ इतना ही है कि इसके लिए सहमति यानी कंसेंट है या नहीं। अगर आपका कंसेंट नहीं है तो बाउंड्री बनाएं।

सामने मजाक करता है तो यह उसका फ्रेंडली नेचर हो सकता है। फ्लर्ट करना है तो उसका इरादा गलत हो सकता है। अगर फ्लर्टिंग असहज करे तो उसे रोक दें। अंतिम बात:- किसी भी स्वस्थ रिश्ते की बुनियाद आपसी सम्मान और पर्सनल बाउंड्रीज पर निर्भर होती है। असहजता होने पर अपनी भावनाओं को न दबाएं। 'कूल' दिखने के दबाव में न आएं। अपनी बाउंड्री बनाना मैच्योरिटी की निशानी है। यही हेल्दी तरीका है। खुद पर भरोसा रखें और अपनी सीमाओं का सम्मान खुद से शुरू करें।



कि उनकी बातचीत का ये तरीका आपको पसंद नहीं है। बिना कनफ्यूजन के अपनी इच्छा को स्पष्ट शब्दों में कम्प्युनिकेट करें। ये बात अपनी सहेली को भी साफ-साफ बताएं। लेकिन यहां कुछ जरूरी सवाल और भी हैं। जैसेकि- क्या फ्लर्टिंग हमेशा, हर स्थिति बुरी ही होती है? हम फ्लर्टिंग को जैसे देखते और रिसीव करते हैं, उसमें हमारी परवरिश का कितना योगदान होता है? एक समझदार वयस्क के रूप में हमें इसे कैसे

ही जरूरी है कि फ्लर्टिंग क्या नहीं है। इससे दोनों के बीच फर्क करना और अपनी बाउंड्रीज बनाना आसान होगा। हमारे समाज में स्त्री-पुरुषों के बीच सहजता का अभाव है। सोशल कंडीशनिंग ऐसी है कि अरेंज मैरिज के अलावा किसी भी प्रकार के स्त्री-पुरुष संवाद को अक्सर संदेह की नजर से देखा जाता है। इसलिए किसी पुरुष और महिला का सामान्य बातचीत करना, तारीफ करना या हल्का-फुल्का मजाक करना भी

सामने वाले को नाराज करने के डर से या कूल दिखने के लिए फ्लर्ट को 'स्पॉटिंगली' लेने की जरूरत नहीं है। अपनी असहजता को दबाने की बजाय अपनी सीमाओं को री-डिफाइन करें। अकेले में बिल्कुल न मिलें। पर्सनल मैसेज का जवाब न दें। फ्लर्ट करें तो वहीं रोक दें। तुरंत बातचीत का विषय बदलें। पर्सनल चैट न करें। हंसें नहीं, न्यूट्रल रिएक्शन दें। असहज होने पर क्या करें? इस स्थिति में 3 प्रैक्टिकल स्टेप्स

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कट्रा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41युपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो.नं.09415608710
RNINO.UPHIN/2016/63398
www.adhunikasamachar.com
नोट- इस समाचार पत्र में
प्रकाशित सप्तम समाचारों के
चयन एवं सम्पादन हेतु
पी0आरबी0 एक्ट के अन्तर्गत
उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न
सप्तम विवाद इलाहाबाद
न्यायालय के अधीन ही होगा।